राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 14
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 14 दिसंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 नोएडा एक्सप्रेस का बैकअप कॉरिडोर बनेगी 45 मीटर रोड | पेज 4 बेबस वृद्ध महिला किसान के आंसू भी नहीं तौल पाया धान क्रय | पेज 6 14 साल के छोरे वैभव बने दुनिया में यूथ वनडे में 50 छक्के लगाने

संक्षिप्त खबरें

मुर्शिदाबाद में 100 से अधिक बम बरामद

कोलकाता। बांग्लादेश की सीमा से सटे मुर्शिदाबाद जिले में एक ही रात में लगभग 100 से अधिक बम बरामद हुआ है। इससे लोग आतंकित हैं। कहीं बम सड़क के किनारे झाड़ी में पड़ा था, तो कहीं विस्फोटक ड्रमों में भरकर मिट्टी के नीचे दबाए गए थे। मुर्शिदाबाद में लगातार बमों की बरामदगी की इन घटनाओं ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, इस सिलसिले में किसी की गिरफ्तारी की कोई खबर नहीं है। शुक्रवार रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बेलडांगा थाना क्षेत्र के काजिशा गांव में छापा मारा। वहां दो ड्रमों में भारी मात्रा में साकेट बम रखे हुए थे। उन ड्रामों में 89 साकेट बम थे।

सूरत एयरपोर्ट पर पौने दो किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

अहमदाबाद। उत्पाद शुल्क विभाग और ईडी की टीमों ने हांगकांग से गुजरात लाए जा रहे पौने दो किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा को सूरत एयरपोर्ट पर बरामद किया है। जांच एजेंसियों को सूचना मिली थी कि हांगकांग से गुजरात में हाइड्रोपोनिक गांजा की तस्करी की जा रही है। एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान से हाइड्रोपोनिक गांजा लाने की सूचना मिलते ही उत्पाद शुल्क व ईडी की टीमों ने सूरत एयरपोर्ट पर इस विमान के सभी यात्रियों को रोककर उनकी तलाशी ली। एक सूटकेश में गांजा के 24 पैकेट मिले। इसकी जांच करने पर पता चला कि हांगकांग से लाया गया यह हाइड्रोपोनिक गांजा है।

हैप्पी मॉर्निंग

सास- बहू, पड़ोस की सुषमा एक नंबर की झूठी है।

उसकी बातों पर कभी विश्वास मत करना।
वैसे तुमसे सुबह क्या कह रही थी?
बहू- कह रही थी कि आप बहुत भली औरत हैं।

शायरी

सदियों से बहता रहा है मासूमों का रक्त,
इंसानियत केवल शर्मिंदा होती है ऐसे वक्त.

अर्थसार

सेंसेक्स:
85,267.66
+449.52 (0.53%)
निफ्टी:
26,046.95
+148.40

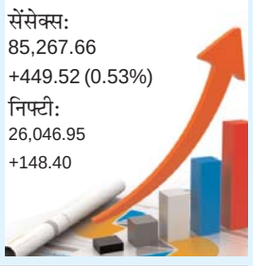

मौसम

अधिकतम : 23 डिग्री से0
न्यूनतम : 09 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार : 7 : 06
सूर्यास्त रविवार : 5 : 30

दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली, ग्रेप-4 लागू हुआ

कंस्ट्रक्शन वर्क पूरी तरह बंद, ऑफिसों में आधे कर्मचारियों को ही आने की परमिशन

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए शनिवार शाम से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' के स्टेज-4 की पाबंदियां लागू कर दी गईं। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने यहां सुबह ग्रेप- 3 की पाबंदियां लागू की थीं।

ग्रेप-4 हवा जहरीली (एक्यूआई 450 से अधिक) होने पर लागू किया जाता है। इसे सीवियर प्लस कैटेगरी कहा जाता है। शनिवार शाम को दिल्ली-एनसीआर के आनंद विहार में एक्यूआई 488 और बवाना में 496 पहुंच गया था। दिल्ली-एनसीआर में पहले से ग्रेप के सभी स्टेज-1, 2 और 3 की पाबंदियां लागू हैं।

हवा की क्वालिटी सुधारने के लिए ये उपाय किए जाएंगे

जनरेटर सेट के इस्तेमाल पर रोक (आपात सेवाएं छोड़कर)

सड़कों पर पानी का छिड़काव, एंटी-स्मॉग गन का उपयोग

खुले में कूड़ा, पत्ते, पराली जलाने पर पूरी रोक

सख्ती और निगरानी

नियम तोड़ने पर जुर्माना और कार्रवाई

प्रदूषण फैलाने वाली एक्टिविटीज पर 24×7 निगरानी

सर्दियों के मौसम में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति के आधार पर ग्रेप के तहत पाबंदियां चार चरणों में लागू किए जाते हैं। जब एक्यूआई 201 से 300 के दायरे में होता है, तब पहले चरण के उपाय लागू होते हैं।

एक्यूआई 301 से 400 के बीच रहने पर दूसरे चरण, 401 से 450 के स्तर पर पहुंचने पर तीसरे चरण और एक्यूआई के 450 से ऊपर जाने पर चौथे चरण की कड़ी पाबंदियां लागू की जाती हैं।

शनिवार शाम स्मोग की परत

दिल्ली एनसीआर में शनिवार शाम वायु गुणवत्ता सूचकांक 488 और बवाना में 496 तक पहुंच गया। इसे अत्यधिक गंभीर माना जाता है। आनंद विहार में स्मोग (धुंध) की परत दिखाई दे रही थी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, राजधानी के कुल निगरानी स्टेशनों में से 21 स्टेशनों पर एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है।

हर साल 2 लाख लोग भारतीय नागरिकता छोड़ रहे

5 साल में 9 लाख विदेश में बसे; सरकार ने कहा- 2021 के बाद संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विदेश मंत्रालय ने संसद को बताया है कि पिछले 5 सालों में करीब 9 लाख भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी है।

राज्यसभा में जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह कहा- 2011 से 2024 के बीच लगभग 21 लाख भारतीयों ने विदेशी नागरिकता अपनाई।

2021 के बाद नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में बड़ा उछाल देखने को मिला। जहां कोरोना महामारी के वर्ष 2020 में यह आंकड़ा घटकर 85 हजार के करीब रह गया था, वहीं इसके बाद यह संख्या 2 लाख के आसपास पहुंच गई।

3 साल में 5,945 भारतीय मिडिल-ईस्ट से लौटे

सरकार ने बताया कि पिछले 3 वर्षों में सुरक्षा कारणों से मिडिल ईस्ट के देशों से 5,945 भारतीय नागरिकों को निकाला गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में बताया कि इनमें इजराइल से 'ऑपरेशन अजय' और ईरान-इजराइल से 'ऑपरेशन सिंधु' शामिल हैं।

इसके अलावा कुवैत अग्निकांड में मारे गए 45 भारतीयों के शव भी भारत लाए गए।

बिहार में कोहरे से 7 गाड़ियां आपस में टकराईं

शिमला/देहरादून/पटना/भोपाल। बिहार में शनिवार को 10 से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा। आराङ्कमोहनिया फोरलेन पर 4 गाड़ियां टकराईं, जबकि पटना के मोकामा फोरलेन पर दो ट्रक और एक हाइवा की टक्कर हो गई। इसमें ड्राइवर व खलासी घायल हुए। बेगूसराय और बक्सर में विजिबिलिटी जीरो रही। हिमाचल प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने से ठंड बढ़ गई है। आज पहाड़ों पर हल्की बर्फबारी का अनुमान है। शनिवार को 5 शहरों में पारा 3 से नीचे और 12 जगहों पर 5 से कम दर्ज किया गया है। लाहौल-स्पीति के ताबो में पारा माइनस 6.2 तापमान रिकॉर्ड हुआ।

मनरेगा अब 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना'

मोदी कैबिनेट का फैसला; काम के दिनों की संख्या भी 100 से बढ़ाकर 125 की गई

एजेंसी

नई दिल्ली। महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट का नाम अब पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना होगा।

शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट ने एक्ट का नाम बदलने और काम के दिनों की संख्या बढ़ाने वाले बिल को मंजूरी दे दी। न्यूज एजेंसीने सूत्रों के हवाले से बताया कि काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी।

महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम को मनरेगा या नरेगा के नाम से जाना जाता है। यह सरकार की एक खास स्कीम है जिसका मकसद ग्रामीण इलाकों में परिवारों की रोजी-रोटी की सुरक्षा बढ़ाना है।

इसके तहत हर उस परिवार को एक फाइनेंशियल ईयर में कम से कम 100 दिनों की गारंटी वाली मजदूरी वाला काम दिया जाता है, जिसके बड़े सदस्य बिना हुनर का काम करने के लिए अपनी मर्जी से तैयार होते हैं। इसे 2005 में लागू किया गया था।

प्रियंका गांधी बोलीं- नाम बदलने का तर्क समझ नहीं आता

वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्हें मनरेगा योजना का नाम बदलने के फैसले के पीछे का तर्क समझ नहीं आता। जिससे फिजूल खर्च होता है। उन्होंने कहा- मुझे समझ नहीं आता कि इसके पीछे क्या मानसिकता है। सबसे पहले, यह महात्मा गांधी का नाम है, और जब इसे बदला जाता है, तो सरकार के संसाधन फिर से इस पर खर्च होते हैं। ऑफिस से लेकर स्टेशनरी तक, सब कुछ का नाम बदलना पड़ता है, इसलिए यह एक बड़ी, महंगी प्रक्रिया है। तो ऐसा करने का क्या फायदा है?

क्या इंडिगो संकट इंडियन इकोनॉमी के लिए खतरे की घंटी

टेलीकॉम, रिफाइनरी जैसे सेक्टर दो-तीन कंपनियों के पास; इनमें गड़बड़ी से ढह सकता है सिस्टम

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का बिजी और कॉम्प्लेक्स उड़ान शेड्यूल नवंबर में उस समय बिगड़ गया, जब पायलट और क्रू मेंबर्स को ज्यादा आराम देने वाला नया नियम लागू हुआ।

दिसंबर के पहले हफ्ते में एयरलाइन पूरी तरह बिखर गई। एक दिन में ही 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। इससे 10 लाख से ज्यादा बुकिंग्स प्रभावित हुईं।

लोग परेशान हुए और हालात बिगड़े तो सरकार ने एयरलाइन की कार्यप्रणाली की जांच का आदेश दिया।

बड़ा सवाल यह है कि महज एक

कंपनी की गड़बड़ी से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन सेक्टर कैसे ठप हो सकता है?

इसका जवाब मार्केट में कम कॉम्पिटीशन के मौजूद होने में छिपा है। दरअसल 2007 में शुरू हुई इंडिगो की जबरदस्त कामयाबी ने उसे भारतीय डोमेस्टिक एविएशन मार्केट का 64 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा दे दिया। वहीं एअर इंडिया के पास 25 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

लोग परेशान हुए तो सरकार ने नियम वापस लिया

देशभर में पैसेंजर परेशान होते रहे। इसके बाद इंडिगो के मैनेजमेंट ने माफी मांगी और कहा कि खराब मौसम और सॉफ्टवेयर अपडेट जैसे कई कारणों से उड़ानों में दिक्कत हुई।

एविएशन मार्केट के सबसे बड़े हिस्से पर काबिज इंडिगो की गड़बड़ी से देशभर के हवाई अड्डे प्रभावित हुए और सरकार को अपना नया सुरक्षा नियम अस्थायी रूप से वापस लेना पड़ा। इंडिगो की इस गड़बड़ी पर शेयर बाजार में उसे सजा दी और उसका शेयर में करीब 15 प्रतिशत गिर गया। मार्केट वैल्यू भी 4.8 अरब डॉलर (43 हजार करोड़ रुपए) कम हो गई।

इसके बाद सरकार ने सख्ती दिखाई। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने संसद में कहा कि कोई भी एयरलाइन कितनी भी बड़ी हो, गलत योजनाओं से यात्रियों को इतना परेशान नहीं कर सकती। नायडू ने कहा कि इस मसले पर सख्त कार्रवाई होगी ताकि हर एयरलाइन के लिए मिसाल कायम हो। भारत में हवाई यात्रा की मांग तेजी से बढ़ रही है, इसलिए हमें 5 बड़ी एयरलाइंस की जरूरत है।

असम में वायुसेना का पूर्व अफसर जासूसी में गिरफ्तार

असम। असम के सोनितपुर जिले से पुलिस ने रिटायर्ड वायुसेना अधिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। कुलेंद्र पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संबंध का आरोप है। पुलिस ने खुफिया इनपुट के आधार पर गिरफ्तारी की। पुलिस के मुताबिक आरोपी कुलेंद्र सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों के संपर्क में था और उन्हें सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी दे रहा था। उसके मोबाइल और लैपटॉप से संदिग्ध सामग्री मिली है, हालांकि कुछ डेटा डिलीट होने का संदेह है।

आज भारत लाए जा सकते हैं लूथरा ब्रदर्स; थाईलैंड में डिपोर्टेशन प्रोसेस जारी

गोवा अग्निकांड-होटल से बाहर खाना खाने निकले, पकड़े गए थे

नई दिल्ली। गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन' आग मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा सोमवार तक भारत लाए जा सकते हैं। थाईलैंड पुलिस ने 11 दिसंबर को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया था। उनकी डिपोर्टेशन प्रोसेस जारी है।

इस बीच सामने आया है कि लूथरा ब्रदर्स को थाईलैंड में तब पकड़ा गया था। जब दोनों भाई होटल से बाहर खाना खाने निकले थे। सूत्रों ने बताया कि 9 दिसंबर को थाई अधिकारियों को पता चला कि जिन भाइयों को पुलिस भारत में ढूंढ रही थी, वे फुकेट

में हैं। भारतीय एजेंसियों से इनपुट मिलने के बाद थाई अधिकारियों ने पहले ही होटल पर नजर रखनी शुरू कर दी थी। जब भाई होटल से बाहर निकले तो थाई इमिग्रेशन और पुलिस अधिकारियों ने उनकी पहचान और यात्रा की डिटेल्स वेरिफाई कीं और पकड़ लिया।

रेलूराम पूनिया हत्याकांड में दामाद रिहा

हिसार में पत्नी संग ससुर समेत 8 की हत्या की थी; परिवार बोला- हमारी जान को खतरा

हिसार/करनाल। हरियाणा के बहुचर्चित पूर्व विधायक रेलूराम हत्याकांड के आरोपी दामाद संजीव की रिहाई हो गई है। शनिवार को यमुनानगर में व्यासपुर कोर्ट में परिवार ने 50 हजार का बेल बॉन्ड भरा। संजीव 2018 में फरलो पर आकर फरार हो गया था। शाम 4 बजे संजीव की करनाल जेल से रिहाई हो गई।

संजीव ने मीडिया से बातचीत करने से मना कर दिया। उसने कहा कि वह तीन दिन बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा।

बता दें कि संजीव करनाल जिला जेल के बैरक नंबर 17ए में बंद था।

करनाल जिला जेल के एसपी लखबीर सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर संजीव को रिहा किया गया। यहां पर एक गाड़ी आई थी, जिसमें परिवार के तीन-चार लोग थे, वे संजीव को लेकर गए। सोनिया के संबंध में कोई आदेश नहीं आए हैं।

शुक्रवार को हिसार कोर्ट ने संजीव की रिहाई के आदेश दिए थे। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी संजीव की मां राजबीरी देवी और चाचा राजेंद्र ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव कुमार की अदालत में जमानतनामा (बेल बॉन्ड) जमा करवाया था।

मुंबई बीएमडब्लू हिट-एंड-रन केस के आरोपी को जमानत नहीं मिलेगी

सुप्रीम कोर्ट बोला- सबक सिखाना जरूरी; महिला को 1.5 किमी तक घसीटा था

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 2024 के मुंबई बीएमडब्लू हिट-एंड-रन केस में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- ऐसे मामलों में सख्ती जरूरी है, इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की बेंच ने कहा कि आरोपी एक अमीर परिवार से है। उसके पिता शिवसेना के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के गुट से जुड़े थे। इन

बातों को ध्यान में रखना जरूरी है।

मिहिर शाह को 9 जुलाई 2024 को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि पिछले साल 7 जुलाई को वर्ली में उसने बीएमडब्लू से स्कूटर को टक्कर मारी और महिला को करीब डेढ़ किलोमीटर तक घसीटते ले गया, जिससे कावेरी नखवा की मौत हो गई और पति प्रदीप नखवा गंभीर रूप से घायल हो गए।

शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के जमानत देने से इनकार करने वाले आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने माना था कि हादसे के समय शाह बहुत ज्यादा नशे में था। उसने स्कूटर को टक्कर मारने के बाद भी कार नहीं रोकी और पीड़ित को अपनी गाड़ी के नीचे घसीटता हुआ ले गया।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि घटना के समय और उसके बाद आरोपी का व्यवहार ऐसा नहीं है, जिससे उसे जमानत देने का भरोसा किया जा सके। टक्कर भले ही गलती से हुई हो लेकिन इसके बाद आरोपी तेज रफ्तार में भाग गया।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि आरोपी की आगे की हरकतें साफ दिखाती हैं कि वह गिरफ्तारी और कानूनी नतीजों से बचना चाहता था।

महाराष्ट्र में तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गोंदिया। पूर्वी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में 20 लाख रुपये के सामूहिक रूप से इनामी तीन नक्सलियों ने शनिवार को आत्मसमर्पण कर दिया।

इससे पहले 28 नवंबर को माओवादियों की स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य विकास उर्फ रमेश सैयाना भास्कर और दस अन्य नक्सलियों ने गोंदिया पुलिस के सामने हथियार डाल दिए थे।

शनिवार को दरेकसा एरिया कमेटी कमांडर छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के मेंदरी निवासी रोशन उर्फ मारा इरिया वेदजा, बीजापुर जिले की उसूर तहसील के वेरापल्ली निवासी सुभाष उर्फ पोज्जा बंडू रावत्रा और नारायणपुर जिले के रेखापाल निवासी रतन उर्फ मनकू ओमा पोय्याम ने पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि रोशन पर आठ लाख रुपये का इनाम था। जबकि अन्य दो पर छह-छह लाख रुपये का इनाम था।

5-5 लाख के इनामी दो माओवादियों का समर्पण

छत्तीसगढ़। पुलिस को माओवादी संगठन के दो प्रमुख एरिया कमेटी मेंबरों के आत्मसमर्पण में सफलता मिली है।

20 और 23 साल तक सक्रिय रहे संतोष उर्फ लाल पवन और मंजू उर्फ नंदे ने पुलिस की मानवीय पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया।

मॉब लिंचिंग | **मौत से पहले बोला- पैंट खोलकर देखा मुस्लिम है, प्लायर से उंगलियां तोड़ीं, सीने पर चढ़कर पीटने लगे**

नवादा में मॉब लिंचिंग, युवक की पीट-पीटकर हत्या

नवादा। नवादा में 5 दिसंबर को मॉब लिंचिंग में घायल युवक की शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक की पहचान नालंदा जिले के निवासी मोहम्मद अतहर हुसैन (40) के रूप में हुई है। मरने से पहले मोहम्मद अतहर हुसैन ने 7 दिसंबर को कैमरे पर अपना बयान दर्ज कराया था, जिसमें उन्होंने पूरी वारदात डिटेल में बताई।

मोहम्मद अतहर हुसैन ने बताया कि 4-5 लोगों ने घेरकर उनके साथ मारपीट की। उन्हें एक कमरे में ले गए, फिर पैंट उतारकर चेक किया कि वो मुस्लिम हैं या नहीं। उसके बाद गर्म रॉड से मारा, स्टील के रॉड से मारकर सिर फोड़ दिया। लाठी-डंडे, ईंट से पीटा गया।

किसी ने उंगलियां तोड़ीं, तो कोई सीने पर चढ़कर गला दबाने लगा। इतना ही नहीं प्लायर से उनके कान काटे गए। पीट-पीटकर उन्हें अधमरा कर दिया। इस बीच किसी ने डायल 112 को खबर दी, तब उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

वारदात के 6 दिन बाद मोहम्मद अतहर की मौत हो गई। मृतक की पत्नी शबनम परवीन ने 10 लोगों को नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पैंट उतारकर चेक किया, प्राइवेट पार्ट में पेट्रोल डाला

अतहर ने आगे बताया कि हमलावरों ने उनके पैंट को उतारकर प्राइवेट पार्ट चेक किए। रॉड डाल दिया। फिर पेट्रोल डाला गया। इसके बाद गर्म लोहे की रॉड से शरीर के कई हिस्सों में दागा। मेरी चमड़ी निकल गई। हमलावरों की संख्या बाद में बढ़कर 15-20 हो गई थी।

स्टील की रॉड से सिर पर मारा गया, जिससे सिर फट गया। सीने पर चढ़कर गला दबाया गया। मुंह से ब्लड आने लगा था। पिटाई से? पहले आरोपियों ने प्लास से मेरा कान काट दिया। पिटाई से मेरा ?पूरा शरीर जल गया। हाथ भी टूट गए।?

पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

रोह थाना प्रभारी रंजन कुमार ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनमें सोनू कुमार, रंजन कुमार और श्री कुमार शामिल है। शेष आरोपियों की तलाश जारी है। मृतक का पोस्टमॉर्टम मजिस्ट्रेट -फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में कराया गया।

मारपीट के मामले में मृतक की पत्नी शबनम परवीन ने 10 लोगों को नामजद और 15 लोगों पर अज्ञात मुकदमा दर्ज करवाया। जिसमें सत्यनारायण कुमार,मंटू यादव, सोनू कुमार, सतीश कुमार, सिकंदर यादव, रामस्वरूप यादव, रंजन कुमार विपुल कुमार, सचिन कुमार , सुगन यादव को आरोपित बनाया गया है।

संपादकीय

सियासत चाहती है हम और तुम कश्मीर हो जाएं

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

लड़ें, झगड़ें, भिड़ें, काटें, कटें, शमशीर हो जाएँ,
बटें, बाँटें, चुभें इक-दूसरे को, तीर हो जाएँ,
मुसलसल क़त्ल-ओ-ग़ारत की नई तस्वीर हो जाएँ,
सियासत चाहती है हम और तुम कश्मीर हो जाएँ।
ये पंक्तियाँ केवल एक शेर नहीं हैं—
ये आज के भारत की सियासी त्रासदी का आईना हैं।
यह वह भारत है जहाँ धर्म अब आस्था नहीं,
रणनीति बन चुका है;
जहाँ पूजा स्थल प्रार्थना के नहीं,
राजनीतिक शक्ति-प्रदर्शन के मंच बनते जा रहे हैं।

धर्म का अर्थ और उसका अपहरण

धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाना है।
धर्म जोड़ने के लिए है, तोड़ने के लिए नहीं।
धर्म करुणा सिखाता है, नफ़रत नहीं।

लेकिन आज—

- धर्म के नाम पर वोट माँगे जाते हैं
- धर्म के नाम पर भीड़ उकसाई जाती है
- धर्म के नाम पर इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा जाता है

यह कोई दुर्घटना नहीं,
एक सुनियोजित वैचारिक परियोजना है।

आरएसएस का एजेंडा और सत्ता का इस्तेमाल

आज की सत्ता केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि आरएसएस की वैचारिक प्रयोगशाला बन चुकी है।
यहाँ संविधान से अधिक महत्व 'संस्कृति' की उस परिभाषा को दिया जा रहा है जो बहुसंख्यक वर्चस्व पर टिकी है।

आज—

- भगवान भी जातियों में बाँटे जा रहे हैं
- हनुमान जी को दलित सिद्ध करने की राजनीति हो रही है
- इतिहास को 'सुधारने' के नाम पर वर्तमान को ज़हरीला बनाया जा रहा है
- शिक्षा से सवाल हटाकर, भावनाएँ भरी जा रही हैं

यह राष्ट्र-निर्माण नहीं, राष्ट्र-ध्रुवीकरण है।

हर समस्या का राजनीतिकरण

आज कोई भी समस्या राजनीति से अछूती नहीं—

- बेरोज़गारी ? धर्म से ढँक दी जाती है
- महँगाई ? राष्ट्रवाद से दबा दी जाती है
- स्वास्थ्य और शिक्षा ? चुनावी भाषणों से गायब

यह वह राजनीति है जो सवालों से डरती है, इसलिए भावनाओं को हथियार बनाती है।

समाधान क्या है?

समाधान सिर्फ़ एक है—शिक्षा, वही शिक्षा जो—

- धर्म को समझना सिखाए, इस्तेमाल करना नहीं
- सत्ता से सवाल करना सिखाए, झुकना नहीं
- इंसान को इंसान की तरह देखना सिखाए, पहचान की तरह नहीं

इसीलिए हर कट्टर विचारधारा—

- सवाल पूछने वाली शिक्षा से डरती है
- तर्कशील समाज से डरती है
- पढ़े-लिखे नागरिक से डरती है

इंसानियत — सबसे बड़ा धर्म

जो धर्म इंसान को इंसान से न जोड़ सके, वह धर्म नहीं हो सकता।
जो राजनीति इंसानियत को कुचल दे, वह राष्ट्रवाद नहीं हो सकता।

अगर हम—

- इंसानियत को पहला धर्म मान लें
- शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बना लें
- और सत्ता से सवाल पूछना बंद न करें

तो कोई भी सियासत हमें 'कश्मीर' नहीं बना पाएगी।
क्योंकि नफ़रत का कोई भविष्य नहीं होता, और इंसानियत कभी अल्पसंख्यक नहीं होती।

प्रशासनिक तंत्र की तय हो जवाबदेही..

उमेश चतुर्वेदी

दुर्घटनाएं कह कर नहीं आतीं, लेकिन उनकी रोकथाम की मुकम्मल तैयारी से शायद ही किसी को इनकार हो। लेकिन समंदर के किनारे से छनकर आती रोशनियों के बीच स्थित गोवा के इस नाइट क्लब में लगी आग और उसमें गई निर्दोष जान ने सबसे बड़ा सवाल उस प्रशासनिक तंत्र पर लगाया है, जिस पर इस हादसे की रोकथाम की जिम्मेदारी थी।

उत्तर भारत की सर्दियां गोवा के लिए वरदान होती हैं। अरब सागर तटीय इस राज्य में सर्दियों में उत्तर भारतीय सैलानियों की आवक बढ़ जाती है। लेकिन हो सकता है कि इस बार यह आवक कम हो। गोवा में साल के आखिरी दिनों और अगले साल की छुट्टियां मनाने का मन बना चुके सैलानियों में इस बार हिचक हो सकती है। वजह है, यहां के मशहूर नाइट क्लब 'बर्क बाय रोमियो लेन' में लगी आग, जिसमें पांच सैलानी समेत पच्चीस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है।

दुर्घटनाएं कह कर नहीं आतीं, लेकिन उनकी रोकथाम की मुकम्मल तैयारी से शायद ही किसी को इनकार हो। लेकिन समंदर के किनारे से छनकर आती रोशनियों के बीच स्थित गोवा के इस नाइट क्लब में लगी आग और उसमें गई निर्दोष जान ने सबसे बड़ा सवाल उस प्रशासनिक तंत्र पर लगाया है, जिस पर इस हादसे की रोकथाम की जिम्मेदारी थी। बताया जा रहा है कि अनधिकृत ढंग से इस नाइट क्लब का निर्माण किया गया था। इस अनधिकृत निर्माण को तोड़ने के लिए गोवा की संबंधित पंचायत ने निर्देश भी दे रखा है। आग लगने की दशा में उसके रोकथाम और बचाव को लेकर इस नाइट क्लब में कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं था। इतना ही नहीं, यह क्लब बेहद संकरी जगह पर है, जहां आसानी से जाना संभव नहीं है।

भारत में एक चलन स्वीकार कर लिया गया है। नियमावलियां तो खूब बनाई गई हैं। लेकिन वे सिर्फ दस्तावेजों के लिए हैं। जिन्हें इन नियमावलियों को लागू करने की जिम्मेदारी है, जिन पर इन नियमावलियों को तोड़ने वालों को उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत दंडित करने-कराने की जवाबदेही है, अक्सर वे इससे आंखें मूंद लेते हैं। कई बार नियम तोड़ने वालों से संबंध पलकों को मोड़ने का जरिया बनते हैं तो कई बार रिश्वत की रकम का बोझ पलकों को झुकने के लिए मजूबूर कर देता है। भारत के प्रशासनिक तंत्र का बड़ा हिस्सा इसी तरह की मानसिकता में काम करता है। वह दुर्घटनाओं और हादसों का इंतजार करता है। वह तभी जागता है, जब हादसे हो जाते हैं, उनमें मासूम जानें चली जाती हैं। तब उन्हें नियमों की तेजी से याद आने लगती है। प्रशासनिक तंत्र की बंद आंखे तब ऐसे खुल जाती हैं, जैसे भगवान शिव का तीसरा नेत्र खुलता है। तब उसे अनधिकृत निर्माण भी दिखने लगता है, तब उसे कार्रवाई की भी सूझने लगती है। कार्रवाई होती भी है। गोवा के 'बर्क बाय रोमियो लेन' क्लब के मालिकों पर भी होगी, लेकिन इसका असर कितनी देर तक रहेगा, कहना मुश्किल है। क्योंकि वक्त बीतते-बीतते कार्रवाई में ढिलाई भी शुरू हो सकती है और अगर किसी सामाजिक संस्था, किसी राजनीतिक व्यवस्था या किसी न्यायिक व्यवस्था की निगाह उस पर नहीं पड़ी तो कार्रवाई धीरे-धीरे टलती चली जाएगी, उसकी तासीर ठंडी होती जाएगी और फिर हो सकता है कि नियमों को तोड़ने वाले किसी और जगह नियम तोड़कर ऐसा ही किसी और नाम से नाइट क्लब चलाने लगें भारत में अंग्रेजों ने प्रशासनिक ढांचा अपने राजकाज को चलाने के लिए बनाया था। उसे लंबी अवधि तक बनाए रखने के लिए बनाया था। देखते ही देखते यह तंत्र स्टील फ्रेम में तब्दील होता चला गया। वैसे भी जर्मन दार्शनिक मैक्स वेबर इसे स्टील फ्रेम ही बताते हैं। संविधान सभा ने भारत के भावी प्रशासनिक तंत्र की रूपरेखा को लेकर चर्चा की थी। उसने इस पर गंभीर विमर्श किया था। संविधान सभा में प्रशासनिक तंत्र पर व्यापक चर्चा हुई, जिसका उद्देश्य एक ऐसा ढांचा तैयार करना था जो स्वतंत्र भारत के लिए प्रभावी, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति जवाबदेह हो । संविधान सभा के सदस्यों को संदेह था कि भारत की भावी नौकरशाही भारतीय मूल्यों और भारतीय व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो पाएगी। इसी लिए संविधान सभा में तत्कालीन सदस्यों ने नौकरशाही की भूमिका पर ना सिर्फ व्यापक चर्चा की, बल्कि उसकी राजनीतिक तटस्थता, कार्यक्षमता, जवाबदेही और नए स्वतंत्र राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे में उसकी स्थिति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया । इन बहसों का उद्देश्य एक ऐसी सिविल सेवा प्रणाली स्थापित करना रहा, जो संविधान के सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान हो और लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हो।

सवाल यह है कि क्या संविधान सभा की बहसों के अनुरूप आज की नौकरशाही बन पाई है। उसके ज्यादातर हिस्सों को देखिए तो लगता है कि बिल्कुल नहीं। आज भी उसमें अंग्रेजी राज जैसी अकड़ है, उसका ध्यान ज्यादातर अपनी ताकत को बचाए रखने और उसके जरिए आर्थिक साम्राज्य खड़ा करने पर है। भारत का शायद ही कोई राज्य हो, जहां की नौकरशाही में अकूत संपत्ति के मालिक, भ्रष्टाचारी और कर्त्तव्यहीन अफसर ना होंगे। मध्य प्रदेश जैसे जिन राज्यों में लोकपाल व्यवस्था कायम है, वहां आए दिन ऐसे अफसरों पर छापे पड़ते हैं, उनके घर मिले नोटों को गिनने के लिए मशीनें लानी पड़ती हैं। कई बार तो नोट गिनने में ही दो-दो तीन-तीन दिन लग जाते हैं। सवाल यह है कि क्या अफसरों के पास अकूत धन उनके सत्कर्मों और कर्त्तव्यपरायाणता के चलते आता है ? निश्चित रूप से इस सवाल का जवाब ना में हैं। पैसे आते हैं, अवैध निर्माण को बढ़ावा देने से, नियमों की अवहेलना करने वालों से मिलने वाली रकम से, लोक के लिए आए फंड की बंदरबांट से। बिना प्रशासनिक मिलीभगत के यह कल्पना बेकार है कि किसी नाइट क्लब में अवैध निर्माण होगा, वह संकरी गलियों में चलेगा और उसमें सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी होंगे। हाल के दिनों में सड़कों पर बसों के आग का गोला बनने की घटनाएं भी बढ़ी हैं, अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर भी चले हैं या चल रहे हैं, सवाल यह है कि क्या खटारा बसें बिना प्रशासनिक मिलीभगत और लापरवाही से सड़कों पर चल सकती हैं, क्या अवैध निर्माण बिना प्रशासनिक सहयोग के हो सकता है, निश्चित तौर पर ऐसे सवालों का जवाब ना में है। जब भी हादसे होते हैं, जब कोई बस आग का गोला बनती है, जब अवैध निर्माण सामने आता है, संबंधित बस मालिक के खिलाफ कार्रवाई हो जाती है, अवैध निर्माण गिरा दिया जाता है। लेकिन इन सबके लिए प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। वे साफ बच जाते हैं। सवाल यह है कि जब भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र के बिना कोई नाइट क्लब नियमों को तोड़ते हुए निर्माण नहीं करा सकता, रोकथाम के उपायों की अनदेखी कर सकता है, बिना तंत्र के सहयोग के कोई अवैध निर्माण नहीं कर सकता, बिना तंत्र की आंखें मूंदने के कोई टूर ऑपरेटर खटारा बसों को सड़कों पर उतार नहीं सकता तो उस तंत्र पर सवाल क्यों ना उठे, उस भ्रष्ट प्रशासनिक ढांचे पर प्रहार क्यों न हो, अनधिकृत निर्माण जिस दौर में हुआ, उस वक्त उस इलाका विशेष में तैनात रहे अफसरों, कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों न हो, उन्हें क्यों न जवाबदेह ठहराया जाए। आज जरूरत इस बात की है कि अब हर गलत कार्य के लिए, गलत कार्य करने वाले, नियम तोड़ने वाले, कानून का उल्लंघन करने वाले को दोषी ठहराने की न्यायिक प्रक्रिया तो चले ही, साथ ही उसके लिए परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार रहे अधिकारियों को भी जवाबदेह बनाया जाए, उन्हें खोजकर उचित प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया के जरिए दंडित किया जाए। जब तक ऐसा नहीं किया जाता, तब तक देश में ऐसी निर्दोष जानें जाती रहेंगी, सड़कों पर अव्यवस्था फैली रहेगी, नियमों की अनदेखी से अराजकता बनी रहेगी। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या इस तरीके से सोचने को हमारा राजनीतिक ढांचा तैयार है ?

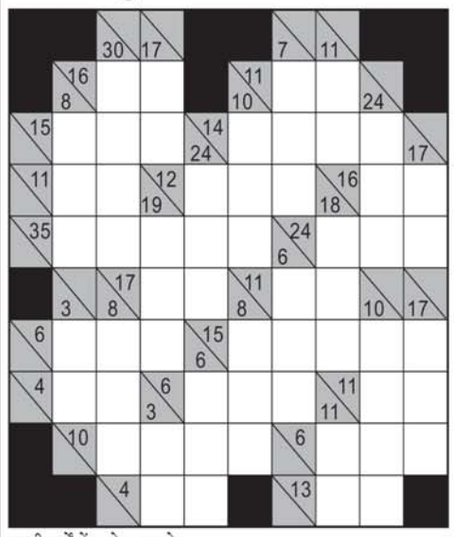

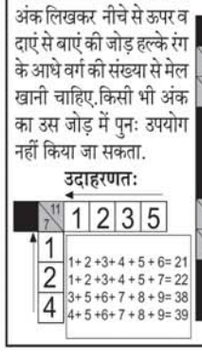

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3739

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3738 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

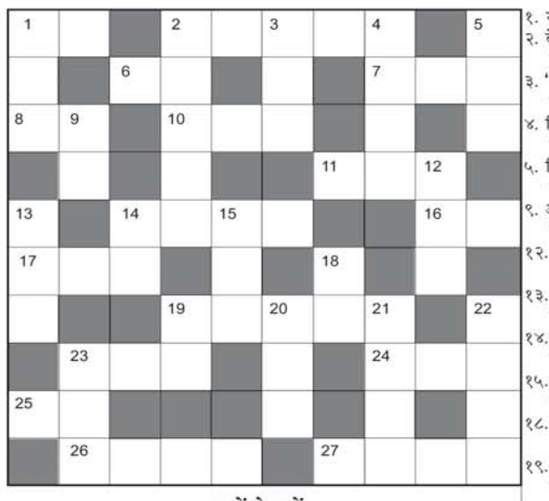

पापा- बेवकूफ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3739

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी ?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है ?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3738

सूडोकु -3739

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3738 का हल

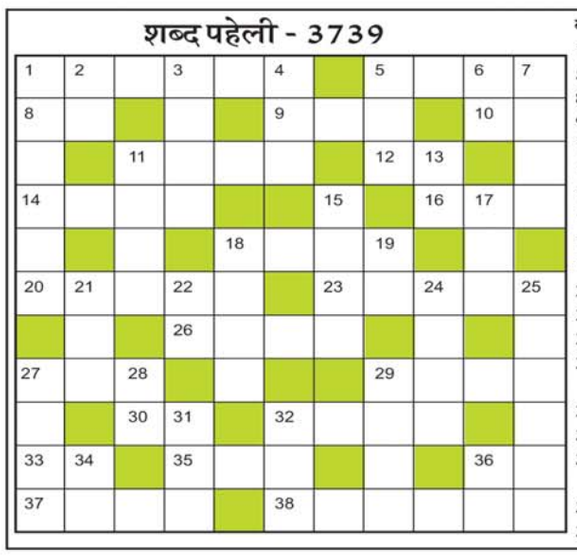

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 3739

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -3738 का हल

नोएडा एक्सप्रेस का बैकअप कॉरिडोर बनेगी 45 मीटर रोड

एक्सप्रेस वे ट्रैफिक के लिए लाइफ-लाइन, तीन स्थानों पर 2.5 एकड़ जमीन होगी अधिग्रहीत

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेस वे समानांतर पुश्ता रोड पर प्रस्तावित एक्सप्रेस वे योजना फिलहाल फंसती दिख रही है। यहां 30 किमी लंबा एलिवेटेड एक्सप्रेस वे बनाया जाना था। सिचाई विभाग ने निर्माण के लिए एनओसी नहीं दी। विभाग का कहना है कि तटबंध के पास निर्माण से ड्रेनेज चैनल और एम्बैंकमेंट प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए अनुमति नहीं दी जा सकती। लेकिन प्राधिकरण ने यातायात को बेहतर करने का विकल्प तलाश लिया है। प्राधिकरण अब मुख्य एक्सप्रेसवे के समानांतर बनी 45 मीटर चौड़ी सेक्टर रोड को पूरी तरह चालू करने पर फोकस कर रहा है।

तीन स्थानों पर है रुकावट

यह सेक्टर रोड एक्सप्रेसवे के दोनों ओर सर्विस लेन के बाद स्थित है। इसे एक्सप्रेस के समानांतर कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। हालांकि इस रोड का अधिकांश हिस्सा पहले बना हुआ है। तीन स्थानों पर 74 मीटर, 75 मीटर और 81.5 मीटर के गैप होने के कारण यह सड़क निरंतर रूप से उपयोग में नहीं आ पा रही है। ये रूकावट सेक्टर

163 और 167 के बीच हैं। इनकी कुल भूमि 2.5 एकड़ से अधिक है। इन रुकावटों की वजह से सेक्टर 150, 151, 152, 153, 155, 163, 167, 135 और 168 के निवासी इस रोड का एंड टू एंड इस्तेमाल नहीं कर पाते और मजबूरी में एक्सप्रेसवे पर चढ़ते हैं, जिससे भीड़ और बढ़ती है। डीजीएम (सिविल) विजय रावल ने बताया कि लगातार किसानों से बातचीत की जा रही है। जल्द जमीन को लिया जाएगा। ताकि इसे एक्सप्रेस वे के डायवर्जन मार्ग के रूप में तैयार किया जा सके।

ये रोड बनेगी एक्सप्रेस वे की लाइफ लाइन

अधिकारियों का कहना है कि एक्सप्रेस वे पर बढ़ते ट्रैफिक लोड के मद्देनज़र सर्विस लेन और सेक्टर रोड को प्लान-बी कॉरिडोर के रूप में तैयार करना जरूरी है। डीएनडी, चिल्ला, कालिंदी कुंज और आंतरिक सड़कों से बढ़ते वॉल्यूम, और एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद आने वाला अतिरिक्त दबाव इन सबके चलते समानांतर रास्ता की आवश्यकता और अधिक अहम हो गई है। ये एक्सप्रेस वे की लाइफ लाइन बनेगी।

प्राथमिकता के आधार पर होगी चालू

प्राधिकरण के अनुसार फिलहाल प्राथमिकता 45 मीटर सेक्टर रोड को मजबूत कर लगातार चालू करने की है, ताकि जरूरत पड़ने पर यातायात को यहां डायवर्ट जा सके। लंबे समय के लिए पैरेलल एक्सप्रेसवे का प्रस्ताव अभी भी पाइपलाइन में है, लेकिन यह राज्य और केंद्र की मंजूरी पर निर्भर करेगा। तब तक, यही सेक्टर रोड नोएडा का प्रमुख बैकअप रूट बनेगी।

सीबीआई ने अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह पकड़ा

1.88 करोड़ मिला कैश, 2022 से यूएस नागरिकों से कर रहे थे ठगी

नोएडा। नोएडा में सीबीआई ने लगभग 70 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। जांच में पता चला कि गिरोह के सदस्य अमेरिकी नागरिकों को सरकारी अधिकारी बनकर डराते और उनके पैसे हड़पते थे।

एफबीआई से मिली सूचना के आधार पर सीबीआई ने दिल्ली, नोएडा और कोलकाता में छापेमारी की। मौके पर शुभम सिंह, डाल्टनलिआन उर्फ माइकल, जॉर्ज टी. जामलियानलाल उर्फ माइल्स, एल. सीमिनलेन हाओकिप उर्फ रॉनी, मांगखोलुन उर्फ मैक्सी और रॉबर्ट थांगखानखुआल उर्फ डेविड उर्फ मुनरोइन को गिरफ्तार किया गया।

कैसे चल रहा था ये साइबर फ्रॉड?

जांच में सामने आया कि 2022 से गिरोह अमेरिकी नागरिकों को कॉल

कर खुद को डीईए, एफबीआई और सोशल सिक्योरिटी विभाग का अधिकारी बताते थे।

वे कहते थे कि उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर का गलत इस्तेमाल हुआ है और बैंक खाते फ्रीज हो सकते हैं।

डराए-धमकाए गए लोग पैसे सुरक्षित अकाउंट में डाल देते, जो असल में गिरोह का होता था।

नौ दिसंबर को रजिस्टर्ड किया केस

9 दिसंबर 2025 को केस दर्ज किया गया। अगले ही दिन नोएडा में अवैध कॉल सेंटर पर छापा मारा गया, जहां आरोपी कॉल कर रहे थे।

मौके पर 1.88 करोड़ नकद, 34 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। जांच में पता चला कि गिरोह ठगी के पैसे क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी बैंक खातों के जरिए अलग-अलग जगह भेजता था।

सीबीआई अब बाकी नेटवर्क और शामिल आरोपियों की पहचान कर रही है।

1.88 करोड़ कैश मिला

जांच के दौरान टीम ने 1.88 करोड़ रुपए नकद, 34 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (लैपटॉप, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव आदि) और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए। जांच में यह भी सामने आया कि यह पूरा गिरोह ठगी के पैसों को क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी बैंक खातों के जरिए अलग-अलग जगह भेजता था, ताकि पकड़ में न आ सके।

अन्य लोगों की पहचान कर रही सीबीआई अब इस इंटरनेशनल साइबर नेटवर्क में शामिल बाकी लोगों की पहचान कर रही है।

नोएडा में ऑन डिमांड ड्रग्स बेचने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा। कस्टमर की डिमांड पर एमडीएमए ड्रग्स की ऑनलाइन सप्लाई करने वाले दो तस्करों को सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 16.25 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद की है। ड्रग्स की बाजार में कीमत डेढ़ लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। इनके पास से दो मोबाइल फोन भी मिले है। जिसमें कस्टमर का डेटा मिला है।

सेक्टर-60 के पास से पकड़ा

एडिशनल डीसीपी नोएडा शैव्या गोयल ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर 60 में चेकिंग कर रही थी। इस दौरान दो संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगे। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। पुलिस ने दोनों से भागने का कारण पूछा तो वे आनाकानी करने लगे। कड़ाई से पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों संदिग्ध शातिर तस्कर हैं जो आइटी कंपनी व शिक्षण संस्थानों के आसपास ड्रग्स की ऑन डिमांड आपूर्ति करते हैं।

ऑनलाइन मंगवाते और बेचते

तस्करों की पहचान मैनपुरी निवासी अभिनव प्रताप और गाजियाबाद के खोड़ा निवासी करन जोशी के रूप में हुई है। अभिनव वर्तमान में सोरखा गांव में किराये का कमरा लेकर रह रहा है। 25 साल का अभिनव और 23 साल करन जोशी 12वीं पास हैं और बीते कई महीने से मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त हैं।

पुलिस दोनों का आपराधिक इतिहास पता कर रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सस्ते दाम पर ऑनलाइन एमडीएमए ड्रग्स मंगवाते हैं। उसको ऑन डिमांड मोबाइल पर ही महंगे दाम पर खपाते हैं। इससे अपना खर्चा चलाते हैं।

कोहरे के कारण ईस्टर्न पेरिफेरल पर हादसा

ग्रेटर नोएडा में 15 से अधिक वाहन टकराए, कई लोग घायल

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हुआ।

कम विजीवलटी के चलते 15 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में कई लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

हादसा दादरी थाना क्षेत्र के चक्रसेनपुर गांव के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर सुबह करीब 9 बजे हुआ।

बताया जा रहा है कि पहले एक ट्रक एक कार से टकराया, जिसके बाद पीछे से आ रहे लगभग 15 से 20 वाहन एक-दूसरे से टकराते चले गए।

हादसे में 8 से 10 लोगों को हल्की चोटें आईं, लेकिन किसी को भी गंभीर चोट नहीं लगी और न ही कोई जनहानि हुई है। कई लोग अपने वाहनों के साथ मौके से चले गए।

हादसे के बाद पेरिफेरल पर भीषण जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस और टोल मैनेजमेंट टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटाना शुरू किया और यातायात को सामान्य करने का प्रयास किया।

चक्रसेनपुर गांव के मिंटू ने बताया कि सुबह हादसा होते ही उनके गांव के लोग पेरिफेरल पर पहुंचे और शोर मचाकर अन्य वाहनों को नियंत्रित करने में मदद की। उन्होंने पुष्टि की कि कई वाहन आपस में टकराए थे।

ग्रेटर नोएडा में कूड़ा प्रबंधन में लापरवाही पर सख्ती

प्राधिकरण ने 6 बल्क वेस्ट जनरेटरों पर 28.30 लाख का जुर्माना लगाया

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने कूड़े का उचित प्रबंधन न करने पर छह बल्क वेस्ट जनरेटरों पर कुल 28.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

अभियान के दौरान गठित विशेष टीम ने 19 बल्क वेस्ट जनरेटर परिसरों का निरीक्षण किया। जांच में छह परिसरों में कूड़ा प्रबंधन में गंभीर खामियां पाई गईं, जिसके बाद उनके खिलाफ अर्थदंड की कार्रवाई की गई।

यह निरीक्षण स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रेटर नोएडा में स्वच्छता और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नीति-2016 के अनुसार, जिन बल्क वेस्ट जनरेटरों का क्षेत्रफल

5000 वर्ग मीटर से अधिक है या जो प्रतिदिन 100 किलोग्राम से ज्यादा कचरा उत्पन्न करते हैं, उन्हें अपने परिसर में ही कचरे का निस्तारण करना अनिवार्य है।

बल्क वेस्ट जनरेटर इस नीति का पालन कर रहे हैं या नहीं, इसकी जांच के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने एक समिति का गठन किया था। इस समिति में प्रधान महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक और सहायक प्रबंधक स्तर के 15 अधिकारियों को शामिल किया गया था।

समिति ने विभिन्न स्थानों पर कुल 19 बल्क वेस्ट जनरेटरों का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि कुछ बल्क वेस्ट जनरेटर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नीति-2016 का उचित ढंग से पालन नहीं कर रहे थे। जिन पर जुर्माना लगाया गया उनमें चेरी काउंटी पर 50,000 रुपए, अजनारा ली गार्डेन पर 2,01,600 रुपए, ला रेजीडेंसिया पर 8,06,400 रुपए, मेफेयर रेजीडेंसी पर 6,44,000 रुपए, वेदांतम रेडीकॉन पर 3,22,000 रुपए और राधा स्काई गार्डेन पर 8,06,400 रुपए का अर्थदंड शामिल है।

एसीईओ ने इन बल्क वेस्ट जनरेटरों को चेतावनी दी है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नीति-2016 के अनुसार सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग करके निस्तारित करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा न करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों के खिलाफ भविष्य में भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गौतमबुद्ध नगर में वाहनों की नई स्पीड लिमिट जारी

कोहरे के कारण 15 फरवरी तक लागू रहेगी नई गति सीमा

नोएडा। वकार सैफी। गौतम बुध नगर में सीजन का पहला घना कोहरा शनिवार को दर्ज किया गया। कोहरे के कारण कम विजिबिलिटी के कारण हुए सडक हादसे के बाद यातायात विभाग ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी है, यमुना एक्सप्रेस-वे, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे और एलिवेटेड रोड पर वाहनों की गति सीमा को कम किया जा रहा है।

बता दे कि सुबह और रात के समय विजिबिलिटी में काफी कमी आई,

जिससे आम जनजीवन और यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी, जिससे ठंड और बढ़ने के आसार हैं। ऐसे में यातायात विभाग ने एक्सप्रेसवे और प्रमुख सड़कों पर दुर्घटनाओं से बचाव के लिए वाहनों की गति सीमा में कटौती की है। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर हल्के वाहन 75, भारी वाहन 60 किमी प्रति घंटा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर हल्के वाहन 75, भारी वाहन 50 किमी प्रति घंटा। एलिवेटेड रोड पर हल्के वाहन 50, भारी वाहन 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेंगे।

डीसीपी ट्रैफिक ने अपील की है कि लोग अपनी सुरक्षा और दूसरों की सहूलियत के लिए अपनी गाड़ियों में फॉग लाइट अवश्य लगवाएं। वाहन के पीछे की तरफ रिफ्लेक्टर लगवाएं। गति सीमा का पालन करे सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं ताकि आप सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सकें ।यह गति सीमा 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक लागू रहेगी, और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नोएडा मे 11 चौकी प्रभारियों का इंटरनल ट्रांसफर

5 चौकी प्रभारी किए गए लाइन हाजिर, सभी पर लापरवाही का आरोप

नोएडा। कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से डीसीपी नोएडा ने 11 चौकी प्रभारियों का तबादला किया है।

पांच चौकी प्रभारी लाइन हाजिर भी किए गए हैं। सभी पर काम में लापरवाही बरतने का आरोप है।

इनका किया गया तबादला

डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि पंकज शहरावत को चौकी प्रभारी सेक्टर 41 बनाया गया है।

दीपांशु शर्मा को चौकी प्रभारी सेक्टर 44, शिशुपाल को चौकी प्रभारी सलारपुर, अक्षय कुमार को चौकी प्रभारी सेक्टर 12/ 22, विकास कुमार को चौकी प्रभारी सेक्टर 54, प्रताप सिंह को चौकी प्रभारी हरिदर्शन, धीरेंद्र कुमार को चौकी प्रभारी अरावली, शैलेंद्र कुमार को चौकी प्रभारी सेक्टर छह, अमित कुमार को चौकी प्रभारी गोल चक्कर, पवन कुमार को चौकी प्रभारी

झुंडपुरा, राम मेहर सिंह को चौकी प्रभारी बरौला बनाया गया है। सभी उप निरीक्षक रैंक पर हैं।

पुलिस लाइन भेजा गया

इसके अलावा उप निरीक्षक सचिन तोमर ,शिवांग , आयुष मालिक को पुलिस लाइन भेजा गया है।

उप निरीक्षक विकास राणा और राहुल यादव को थाना सेक्टर 24, सुशील कुमार को थाना फेस वन, आनंद कुमार को थाना सेक्टर 49, महिला उप निरीक्षक शिल्पा चिकारा को थाना सेक्टर 39, उप निरीक्षक रविंद्र कुमार को पुलिस लाइन, धर्मवीर सिंह को थाना फेस वन और राहुल प्रताप को पुलिस लाइन में तैनात किया गया है।

ग्रेटर नोएडा में बिजली की दुकान मे लगी आग

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र स्थित गैलेक्सी रॉयल सोसाइटी के कॉम्प्लेक्स में शनिवार सुबह एक दुकान में अचानक आग लग गई। मॉर्निंग वॉक पर निकले सोसाइटी के निवासियों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना सुबह उस समय हुई, जब सोसाइटी के लोग टहलने के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान उन्होंने एक बिजली की दुकान से आग की लपटें निकलती देखीं। निवासियों ने तत्काल दुकान का शटर खोलने का प्रयास किया। शटर खुलते ही दुकान के अंदर घना धुआं फैल गया और आग तेजी से फैलती नजर आई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लोगों ने आसपास से पानी का इंतजाम किया और पाइपों की मदद से आग बुझाने में जुट गए। साथ ही दमकल विभाग को भी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सोसाइटी के लोगों ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया था।

ग्रेटर नोएडा में महिला तीन बच्चों संग लापता

जेवर। ग्रेटर नोएडा के राजकीय आर्य विज्ञान संस्थान (जिम्स) अस्पताल में दवा लेने गई एक महिला अपने तीन बच्चों के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। दनकौर कस्बे की रहने वाली यह महिला 11 दिसंबर को घर से निकली थी। दो दिन तक कोई जानकारी न मिलने पर पति ने शनिवार शाम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पति गौरव ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी 11 दिसंबर की सुबह ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल में दवा लेने के लिए घर से निकली थी। वह अपने तीनों छोटे बच्चों को भी साथ ले गई थी। शाम तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। गौरव के अनुसार, उन्होंने रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर महिला और बच्चों की काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। महिला का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है, जिससे परिवार की चिंता बढ़ गई है। शनिवार शाम को गौरव ने दनकौर कोतवाली पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई।

शार्ट न्यूज

चिली पटेटो खाने से महिला-बच्ची बीमार

जेवर। ग्रेटर नोएडा में चिली पटेटो खाने से एक महिला और उसकी दो वर्षीय बेटी फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गईं। तबीयत बिगड़ने पर दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित महिला के पति ने खाद्य सुरक्षा विभाग से शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। जुनेदपुर गांव निवासी सुमित ने बताया कि उन्होंने गुरुवार को कनारसी गांव के पास स्थित पिज़्ज़ा हॉट की दुकान से चिली पटेटो खरीदा था। इसे खाने के कुछ समय बाद ही उनकी पत्नी सपना और बेटी की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। सुमित ने आरोप लगाया कि चिली पटेटो बनाने में खराब और बासी सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण यह फूड पॉइजनिंग हुई। जब उन्होंने शिकायत करने दुकान पर गए, तो दुकानदार ने अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय अभद्रता की और मारपीट पर उतारू हो गया। अस्पताल में इलाज के बाद शनिवार को महिला और बच्ची की हालत में सुधार हुआ। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उनकी तबीयत फूड पॉइजनिंग के कारण बिगड़ी थी। पीड़ित परिवार ने खाद्य सुरक्षा विभाग से अपील की है कि दुकान की जांच कर खराब खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मेडिकल स्टोर संचालक से 1.20 लाख की ठगी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के सलारपुर गांव निवासी एक मेडिकल स्टोर संचालक से 1.20 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि पीड़ित के ही परिचित मामा-भांजे ने लड़की बनकर व्हाट्सएप पर चैटिंग कर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने बताया कि करीब एक महीने पहले उसकी मुलाकात नौरंगपुर निवासी करन और छिजारसी निवासी कैलाश से हुई थी। दोनों ने पहले उससे दोस्ती बढ़ाई और फिर एक लड़की बनकर व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू कर दी। आरोप है कि लड़की बनकर चैट करने वाले ने पहले मदद के नाम पर पीड़ित से कुछ रुपये मांगे। इसके बाद उसे झूठे केस में फंसाने और पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर लगातार रकम ऐंठी गई। इस तरह आरोपियों ने उससे कुल 1.20 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित को जब ठगी का अहसास हुआ तो उसने दनकौर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने व्हाट्सएप चैटिंग में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर की जांच की, तो वह सिम करन के नाम पर पंजीकृत पाई गई। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

मुठभेड़ में गिरफ्तार आरोपी को जमानत मिली

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय ने पुलिस मुठभेड़ और अवैध हथियार बरामदगी के मामले में गिरफ्तार आरोपी साजिद की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। आरोपी के खिलाफ जारचा थाने में मुकदमा दर्ज है। अभियोजन पक्ष के मुताबित आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस, छुरा, गड़ांसा, सिरिंज, इंजेक्शन, रस्सी और एक बाइक बरामद हुई थी। आरोपी सह-आरोपी के साथ मिलकर जाइलोकेन इंजेक्शन के जरिए जानवरों को बेहोश कर उनका कटान करता था। बचाव पक्ष की ओर से तर्क दिया गया कि साजिद अपने भाई बाबू के साथ मीट का वैध व्यवसाय करता है, जिसकी दुकान का लाइसेंस भी विधिवत पंजीकृत है। 26 नवंबर को पुलिस सिविल वर्दी में उसकी दुकान पर पहुंची और पूछताछ के बहाने उसे अपने साथ ले गई और फोन बंद करा दिया ।दुकान का सीसीटीवी फुटेज मौजूद है, जिसमें पुलिस को आरोपी को ले जाते हुए देखा जा सकता है। आरोपी को चौकी पर बैठाए रखने के बाद कथित घटनास्थल पर ले जाकर उसके पैर में गोली मारी गई। फर्जी मुकदमे में फंसाया गया। पुलिस पर जानलेवा हमला करने का आरोप निराधार है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत दी है।

धोखाधड़ी के आरोपी को अग्रिम जमानत नहीं मिली

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय ने फर्जी जीएसटी फर्म के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) प्राप्त कर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के आरोपी मयूर नागपाल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपी के खिलाफ नोएडा के सेक्टर-20 थाने में मुकदमा दर्ज है। अभियोजन के अनुसार वादी सौरभ द्विवेदी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके पैन कार्ड का दुरुपयोग कर अज्ञात व्यक्तियों ने पंजाब और महाराष्ट्र में दो जीएसटी फर्म पंजीकृत करा ली, जिनसे उनका कोई संबंध नहीं है। विवेचना के दौरान यह सामने आया कि पैन, आधार और मोबाइल नंबरों का दुरुपयोग कर फर्जी तरीके से जीएसटी फर्म बनाई गई, जिनका उद्देश्य अवैध रूप से फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करना था ।जांच में एक संगठित गिरोह की भूमिका सामने आई, जिसमें मयूर नागपाल सहित कई अन्य आरोपियों के नाम सामने आए थे। अभियोजन का आरोप है कि इस गिरोह ने करीब 2600 फर्जी फर्म बनाई और डीजीजीआई (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस) की रिपोर्ट के अनुसार इन फर्म के जरिए लगभग 26.45 करोड़ रुपये से अधिक का आईटीसी क्लेम किया गया, जिससे सरकारी राजस्व को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया।

लड़की बनकर ठगी करने वाले मामा-भांजे गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। पुलिस ने दनकौर क्षेत्र में मेडिकल स्टोर संचालक को हनीट्रैप में फंसाकर ठगी करने वाले आरोपी मामा-भांजे को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पीड़ित से लड़की बनकर बात की और ब्लैकमेल कर रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कस्बे के एक गांव के रहने वाले मेडिकल स्टोर संचालक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि करीब एक महीने पहले उसकी मुलाकात औरंगपुर गांव के रहने वाले करन शर्मा और नोएडा के रहने वाले उसके मामा कैलाश शर्मा से हुई इसके बाद पीड़ित की दोनों से दोस्ती हो गई। आरोप है कि आरोपी करन ने एक फर्जी आईडी बनाई और लड़की बनकर मैसेज भेजने शुरू कर दिए। इसके बाद पीड़ित को प्रेमजाल में फंसा कर पहले 44 हजार रुपये ऑनलाइन अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद ब्लैकमेल करना शुरू किया और करीब एक लाख 20 हजार रुपये ठग लिए। इसके बाद पीड़ित परेशान रहने लगा। घरवालों को शक हुआ तो उन्होंने पीड़ित से बातचीत की। इसके बाद पीड़ित ने घटना के बारे में बताया। पीड़ित ने परेशान होकर आरोपी मामा-भांजे के खिलाफ पुलिस से शिकायत की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी मामा-भांजे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पिंक बूथ महिला सुरक्षा में सहायक बन रहे

नोएडा। जिले में स्थापित किए गए पिंक बूथ महिलाओं की सुरक्षा में सहायक बन रहे हैं। यहां तैनात महिलाएं घर से भटकी बच्चियों को परिजनों से मिला रही हैं। ऑटो में छूटे पर्स और मोबाइल को वापस करा रही हैं। पति-पत्नी के बीच तनाव को कम करने में अहम भूमिका अहम निभा रही हैं। नवंबर में पिंक बूथ पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने 20 सराहनीय कार्य किए। सोशल मीडिया पर लोगों ने पुलिस की इस पहल की प्रशंसा की है। एसीपी महिला सुरक्षा प्रशाली गंगवार ने बताया कि बीते माह सेक्टर-39 और सेक्टर-49 थानाक्षेत्र के अंतर्गत खुले पिंक बूथ में सबसे ज्यादा सराहनीय कार्य हुए ।बोटेनिकल गार्डन पिंक बूथ पर बीते माह नौ तारीख को सूचना मिली कि पति से झगड़ा करने के बाद नेहा नाम की महिला कहीं चली गई है। उसके बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। पिंक बूथ पर कार्यरत महिलाओं ने तुरंत मामले का संज्ञान लिया और महिला को तलाशकर परिजनों के सुपुर्द किया। वहीं, महिला पुलिसकर्मियों ने दस नवंबर को ऑटो में छूटे व्यक्ति के पर्स को और 11 नवंबर को रास्ते में गिरे युवक के मोबाइल फोन को वापस कराया। सेक्टर-52 पिंक बूथ पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने एक नवंबर को महिला की स्कूटी की गुम चाबी और 14 नवंबर को कृष्णा गुप्ता के ऑटो में छूटे मोबाइल को तलाशा। बरौला पिंक बूथ पर कार्यरत महिला पुलिसकर्मी को नौ नवंबर को एक लड़की ने बताया कि वह रास्ता भटक गई है और उसका परिजनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। बूथ पर तैनात पुलिसकर्मियों ने लड़की के परिजनों से बात की और कैब बुक कर उसे घर भिजवाया। उसी दिन एक किशोरी को तलाश कर उसके परिजनों से मिलाया गया।

बेबस वृद्ध महिला किसान के आंसू भी नहीं तौल पाया धान क्रय केंद्र

विधवा-दिव्यांग महिला 20 दिन से मंडी के चक्कर काट रही, आत्महत्या की चेतावनी से मचा हड़कंप

पीलीभीत। सरकारी दावों, योजनाओं और किसान हितैषी भाषणों की हकीकत उस समय बेनकाब हो गई, जब धान क्रय केंद्र पर एक वृद्ध, विधवा व दिव्यांग महिला किसान अपने धान की तौल न होने से टूट चुकी नजर आई। लगभग 15 से 20 दिनों से मंडी परिसर में खड़ी ट्रॉली के बावजूद महिला का धान नहीं खरीदा गया, जिससे मजबूर होकर वह आत्महत्या जैसे खौफनाक कदम की चेतावनी देने को विवश हो गई। पूरनपुर विकासखंड के प्रसादपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र की निवासी पीड़ित महिला किसान ने बताया कि वह रोज़ाना किराया खर्च कर मंडी पहुंचती है, लेकिन धान क्रय केंद्र प्रभारी महेश प्रसाद द्वारा लगातार टालमटोल की जा रही है। महिला का आरोप है कि न तो उसकी बारी लगाई जा रही है और न ही उसकी दिव्यांगता व विधवा होने की स्थिति को कोई तवज्जो दी जा रही है।स्थिति उस समय

और भी गंभीर हो गई, जब महिला अपने बैग से जहर की शीशी और बिजली का तार काटने की कैंची निकालने लगी।

यह दृश्य देख मंडी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। महिला रोते हुए कहती रही अगर आज मेरा धान नहीं तौला गया, तो मैं यहीं अपनी जान दे दूंगी। मेरे पास अब जीने का कोई सहारा नहीं बचा है।

महिला किसान की आंखों से बहते आंसुओं का सैलाब किसी भी संवेदनशील इंसान को झकझोर सकता था, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि शासन-प्रशासन और क्रय केंद्र के जिम्मेदारों को ये आंसू भी दिखाई नहीं दिए। महिला लगातार अपनी बदहाली और मजबूरी की कहानी सुनाती रही, मगर अधिकारी मौन साधे रहे।यह घटना न सिर्फ धान खरीद व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि क्या सरकारी तंत्र की संवेदनशीलता इतनी मर चुकी है कि एक मजबूर महिला को आत्महत्या की चेतावनी देनी पड़े?

जहां सरकारें महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण की बात करती हैं, वहीं ज़मीनी हकीकत में एक बेसहारा महिला किसान न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। स्थानीय किसानों और मौजूद लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर महिला का धान खरीदे जाने और क्रय केंद्र प्रभारी के रवैये की जांच की मांग की है।

मेरठ में चोरी के बाद जानलेवा हमले की कोशिश

मेरठ। मेरठ के सदर बड़ा बाजार थाना क्षेत्र में चोरी और उसके बाद जानलेवा हमले की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर चोरों को पकड़ने और हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। यह घटना 30 दिसंबर को हुई थी, जब सदर बड़ा बाजार निवासी तरुण अरोड़ा अपनी मां के साथ रिश्तेदारी में गए हुए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके मकान के ताले तोड़कर घर में खड़ी स्कूटी और लगभग 80 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। चोरी की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। पीड़ित तरुण ने मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। हालांकि, कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस चोरों तक नहीं पहुंच सकी। पीड़ित ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर शक जताया था, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। आरोप है कि इसी बात को लेकर आरोपी युवक ने रंजिश मान ली। वह अपने एक साथी के साथ पीड़ित के घर पहुंचा और चापड़ से हमला करने का प्रयास किया।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश, ग्रामीण रास्ता बंद करने का आरोप

पीलीभीत। जिले के ग्राम खरगापुर, तहसील सदर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और ग्रामीणों के आने-जाने के रास्ते को जबरन बंद करने का गंभीर मामला सामने आया है।

ग्रामीण महिला बशंती सिकदर ने उप जिला अधिकारी सदर व मुख्यमंत्री जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि कुछ दबंग लोग बिना किसी अधिकार के सरकारी भूमि पर कब्जा कर रास्ता अवरुद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता के अनुसार डीआरआरओ एवं स्कूल की खाली पड़ी भूमि से होकर पिछले 25-30 वर्षों पूर्व शिकायत करता बसंती शिकदर परिवार सहित आती जाता व निकलती रही है ग्रामीण का आवागमन होता रह इसी रास्ते से उनके परिवार सहित अन्य ग्रामीण नियमित रूप से आते-जाते हैं। आरोप है कि सुब्रत हलधर व पवित्र हलधर नामक व्यक्तियों ने बिना किसी आवंटन अथवा अबैध रूप से कब्जे की नीयत से रास्ते में पिलर लगाने का प्रयास कर रास्ता बंध किया।महिला का कहना है कि अवैध पिलर लगाए जाने की सूचना उन्होंने प्रशासन को कई बार फोन के माध्यम से दी, लेकिन मौके पर न तो कोई अधिकारी पहुंचा और न ही कोई प्रभावी कार्रवाई की गई। इससे आरोपियों के हौसले और बुलंद हो गए।हालांकि, मामले में तहसीलदार सदर व उप उपजिला अधिकारी पीलीभीत द्वारा स्पष्ट आदेश दिए जा चुके हैं कि संबंधित रास्ता डीआरआरओ की भूमि से होकर निकलता है और उसे बाधित नहीं किया जा सकता।

इसके बावजूद अवैध कब्जे की कोशिश जारी रहना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है।पीड़िता ने मांग की है कि अवैध रूप से लगाए जा रहे पिलरों को तत्काल हटवाकर रास्ता बहाल कराया जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी सरकारी जमीन पर कब्जा करने का दुस्साहस न कर सके। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक कार्रवाई करता है या फिर सरकारी जमीन यूं ही दबंगों की भेंट चढ़ती रहेगी।

शार्ट न्यूज

पिज्जा विक्रेता से मारपीट, सोने की चैन लूटी

बीसलपुर। शहर में कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए कार से आए दबंगों ने एक पिज्जा विक्रेता के साथ जमकर मारपीट की और उसके गले से सोने की चैन छीन ली। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बीसलपुर स्थित अमेजिंग पिज्जा के संचालक विनोद कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसकी दुकान पर कार सवार अमित भोजवाल, मोनू शर्मा और उनके साथ आए तीन अज्ञात लोग पहुंचे और बिना किसी बात के मारपीट शुरू कर दी। दुकान कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि दबंगों ने विनोद कुमार के गले में पड़ी सोने की चैन छीन ली और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक संजीव शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

किशनपुर में बिजली बिल राहत शिविर आयोजित, 50 उपभोक्ताओं ने जमा किया बकाया

बीसलपुर। बिजली उपभोक्ताओं को बकाया बिल में राहत देने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा गांव-गांव बिजली बिल राहत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विकासखंड बीसलपुर के ग्राम किशनपुर में बिजली बिल राहत शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने पहुंचकर अपने बकाया बिल जमा किए।शिविर के दौरान 50 बिजली उपभोक्ताओं ने अपने लंबित बिलों का भुगतान किया। इस दौरान कुल 1.80 हजार रुपये का राजस्व विभाग को प्राप्त हुआ। शिविर में मौजूद एसडीओ जगदीश सिंह ने बताया कि बिजली बिल राहत शिविर का प्रथम चरण 1 दिसंबर से प्रारंभ होकर 31 दिसंबर तक चलेगा। इस अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर बकायेदार उपभोक्ताओं को ब्याज व सरचार्ज में राहत दी जा रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि निर्धारित अवधि में अपने बकाया बिल जमा कर योजना का लाभ उठाएं।

कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध निर्माण ध्वस्त

बीसलपुर। तहसील क्षेत्र के दियोरिया गांव में कब्रिस्तान की भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण को प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए ध्वस्त करा दिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर बुलडोजर चलता देख गांव में हड़कंप मच गया। दियोरिया निवासी इश्तियाक खां द्वारा कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध निर्माण किए जाने की शिकायत उपजिलाधिकारी नागेंद्र पांडेय से की गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी ने राजस्व विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशों के क्रम में राजस्व लेखपाल अभिषेक पांडेय अपनी टीम व पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कब्रिस्तान की जमीन पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया। कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कब्जा करने वालों में खलबली मच गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी व सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वारण्टी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ललितपुर । सौजना पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे जनपद मे अपराध की रोकथाम व गैर जमानती अपराधियो व वारण्टियो की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिहं व क्षेत्राधिकारी महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण मे थाना स्थानीय पर बाँछित वारण्टीगण/अभियुक्तगण की तलाश हेतु थानाध्यक्ष अजयपाल थाना सौजना के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया। इसी क्रम मे गठित टीम के द्वारा थाना क्षेत्र मे तलाश वांछित अपराधी हेतु भ्रमणशील के दौरान एऊ वारण्टी अभियुक्त झुन्नी पुत्र तन्सा उम्र करीब 55 वर्ष नि0 ग्राम बारौन थाना सौजना ललितपुर सम्बन्धित न0मु0 979/15 धारा 323/504 आईपीसी थाना सौजना को गिरफ्तार कर वारण्टी/अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुये माननीय न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महरौनी जनपद ललितपुर के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष अजयपाल उ.नि. श्रवण कुमार हे. का. वृजविहारी सेंगर म.का. चंचल शर्मा आदि शामिल रहे।

रविवार को कई इलाकों की बिजली आपूर्ति बाधित

गोरखपुर। गोरखपुर में चल रहे रोड चौड़ीकरण और बिजली लाइनों के शिफ्टिंग कार्य के कारण रविवार को विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित की जा रही है। बिजली विभाग के अनुसार, यह कटौती तकनीकी और सुरक्षा कारणों से जरूरी है, ताकि कार्य बिना किसी जोखिम के पूरा किया जा सके। किन इलाकों में रहेगी कटौती विद्युत उपकेंद्र विकास नगर के 11 केवी हेचरी फीडर, विद्युत उपकेंद्र लोहिया इंक्लेव और विद्युत उपकेंद्र पॉम पैराडाइज से जुड़े क्षेत्रों में रविवार को बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इन उपकेंद्रों से जुड़े कई रिहायशी और व्यावसायिक इलाके प्रभावित होंगे। बिजली विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, रविवार को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। तय समय में लाइन शिफ्टिंग और संबंधित तकनीकी कार्य पूरा किया जाएगा। विभाग की अपील बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कटौती की अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने जरूरी काम पहले से निपटा लें।

रिटायर्ड दरोगा से 7 लाख की ठगी

कानपुर। पेंशन बनवाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने रिटायर्ड दरोगा से 7 लाख रुपए हड़प लिए। तकरीबन एक साल तक साइबर सेल और कल्याणपुर थाने के चक्कर लगाने के बाद पीड़ित की एफआईआर दर्ज की गई। ललितपुर जिले के थाना पाली में तैनात रहे दरोगा लाल सिंह 31 जनवरी 2025 को रिटायर हुए थे। उन्होंने बताया कि 19 फरवरी की रात करीब 12:30 बजे उनके मोबाइल पर एक कॉल आई, कॉल करने वाले ने खुद का नाम आरएस त्रिपाठी बताया। फोन करने वाले ने खुद को लखनऊ स्थित पेंशन कार्यालय से बताते हुए कहा कि उनकी पेंशन 10-15 दिन में बन जाएगी। बातों में उलझाकर आरोपी ने उनका मोबाइल नंबर और बैंक खाते की जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद आरोपी ने पूछा कि क्या मोबाइल चलाना जानते हैं, मना करने पर घर के अन्य सदस्य से बात कराने को कहा। जिस पर उन्होंने छोटी बहू से बात करा दी। 20 फरवरी की सुबह बहू के पास फिर फोन आया और कुछ देर बाद गुजरात से एक कॉल कर बताया गया कि खाते से पैसे निकाले जा रहे हैं।

वृंदावन में साधु वेश में युवक की मौत

मथुरा। मथुरा के थाना वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत पानीघाट इलाके में शनिवार को एक 55 वर्षीय साधु वेशधारी व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक पिछले कई वर्षों से वृंदावन में रहकर भिक्षा मांगकर जीवन यापन कर रहा था। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान दिलीप पुत्र योगेंद्र, उम्र लगभग 55 वर्ष, के रूप में हुई है। साथी साधुओं और स्थानीय लोगों ने बताया कि दिलीप मूल रूप से कोलकाता का निवासी था और लंबे समय से वृंदावन के पानीघाट क्षेत्र में अकेला रह रहा था। वह साधु का भेष धारण किए हुए था और आसपास के इलाकों में भिक्षा मांगकर गुजर-बसर करता था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि दिलीप बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहा था।

गाय-बाइक टक्कर में महिला-पुत्र घायल, महिला सैफई रेफर

मैनपुरी। मैनपुरी में देर शाम एक सड़क हादसे में बाइक और गाय की जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार रानी (पत्नी राजेंद्र) और उनके पुत्र दीपू (पुत्र राजेंद्र) गंभीर रूप से घायल हो गए। यह परिवार इटावा जिले के नगला मान दाता गांव का निवासी है। टक्कर इतनी भीषण थी कि रानी गंभीर चोटों के कारण बेहोश हो गईं। उन्हें तत्काल सीएचसी किशनी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पीजीआई सैफई, इटावा रेफर कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस को कॉल किया गया। 108 एंबुलेंस की टीम, जिसमें ईएमटी गौतम और पायलट श्यामवीर शामिल थे, तुरंत मौके पर पहुंची।

अतिरिक्त दहेज की मांग पर विवाहिता को किया बेघर, पति ने की दूसरी शादी

बीसलपुर। दहेज लोभियों की हैवानियत का एक और मामला सामने आया है, जहां अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। इतना ही नहीं, पति ने बिना तलाक दिए दूसरी शादी भी कर ली। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बीसलपुर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के ग्राम अहिरपुरा नगला निवासी रेखा पुत्री उमाचरण ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी शादी अप्रैल 2023 में हिंदू रीति-रिवाज से नितेश कुमार पुत्र आशाराम निवासी ग्राम पिपरथरा थाना फरीदपुर जनपद बरेली के साथ हुई थी।

शादी में परिजनों ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज दिया।आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद पति नितेश कुमार, सास मोरकली, ननद एकता, मौसिया सास बुद्धि मती व सिंधु कश्यप ने दो लाख रुपये, एक कार व सोने की चैन की अतिरिक्त मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर गर्भावस्था के दौरान विवाहिता को कमरे में बंद कर लाठी-डंडों से पीटा गया। पीड़िता ने किसी तरह पीआरवी-112 को सूचना दी, जिसके बाद उसे बाहर निकाला गया।

बाद में वह मायके चली गई, जहां जून 2024 में एक पुत्र को जन्म दिया। आरोप है कि 18 मई 2025 को ससुराल पक्ष मायके पहुंचा और बच्चे को जबरन ले जाने का प्रयास किया, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता की तहरीर पर पहले पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बीसलपुर पुलिस ने पति नितेश कुमार, सास मोरकली, ननद एकता, मौसिया सास बुद्धि मती व सौतन सिंधु कश्यप के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान

राज्य महिला आयोग की सदस्याएं पीलीभीत में करेंगी जनसुनवाई व जन चौपाल

पीलीभीत। महिला उत्पीड़न के मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने तथा पीड़ित महिलाओं को न्याय की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 17 दिसंबर को राज्य महिला आयोग की माननीय सदस्य पुष्पा पाण्डेय एवं सुनीता सैनी जनपद के दौरे पर रहेंगी और पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 11 बजे गोमती सभागार, विकास भवन में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस जनसुनवाई में जनपद की वे सभी महिलाएं भाग ले सकेंगी जो किसी न किसी प्रकार के उत्पीड़न या अन्य सामाजिक समस्याओं से पीड़ित हैं।

महिलाएं ससुराल पक्ष द्वारा की जा रही प्रताड़ना, दहेज मांग को लेकर मानसिक एवं शारीरिक शोषण, घरेलू हिंसा, मारपीट, यौन उत्पीड़न, कार्यस्थल पर उत्पीड़न तथा महिलाओं से जुड़े अन्य सभी प्रकार के मामलों को सीधे आयोग की सदस्याओं के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगी।जनसुनवाई के दौरान आयोग की माननीय सदस्याएं प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनेंगी और संबंधित विभागों व अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए मामलों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करेंगी।

इससे पीड़ित महिलाओं को न केवल न्याय मिलेगा, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया भी तेज होगी।

पुलिस ने जनता को साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

ललितपुर । नाराहट पुलिस द्वारा साइबर अपराध के प्रति जनता को किया जागरुक पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक, कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में नाराहट थानाध्यक्ष पारोल सिंह चन्देल व साइबर की टीम द्वारा कस्बा नाराहट में चौराहे पर जनता के लोगो को साइबर अपराध एवं उससे बचाव हेतु लोगो को जागरूक किया गया। जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई तथा

साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया ।किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा प्लेस्टोर/आईओएस से जेनुइन ऐप ही डाउनलोड करें, इनके अतिरिक्त किसी अन्य प्लेटफॉर्म से कोई ऐप डाउनलोड न करें । किसी अनजान व्यक्ति से अपनी बैंकिंग सम्बंधी कोई भी डिटेल शेयर न करें तथा ओटीपी आदि मांगने पर न दें । सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते ।

प्रयागराज में दबंगों ने दरोगा-सिपाहियों को पीटा

प्रयागराज। प्रयागराज में मंत्री नंद गोपाल नंदी के समर्थकों ने शुक्रवार देर रात जमकर हंगामा किया। कार में टक्कर लगने के बाद विवाद शांत कराने पहुंची पुलिस टीम से धक्का-मुक्की की गई। फिर नंदी समर्थकों ने दरोगा और दो सिपाहियों को पीट दिया। हाथापाई का वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग एक सिपाही की कॉलर पकड़े हैं। जबकि दूसरा पुलिसकर्मी बीच-बचाव करा रहा है। लेकिन दबंगों ने उसे भी थप्पड़ मारे। मारपीट और हंगामे की सूचना पर पुलिस अधिकारी पहुंचे। भीड़ को शांत कराके दरोगा को वहां से हटाया गया। घटना चंद्रलोक चौराहे की है। यह व्यापारियों का गढ़ है। यहां से मंत्री नंदी का घर 200 मीटर दूर है। मौके पर 6 थानों की फोर्स तैनात है। 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुट्ठीगंज के रहने वाले कमलेश गुप्ता मंत्री नंद गोपाल नंदी के समर्थक हैं। कुछ लोग उन्हें नंदी का रिश्तेदार भी बताते हैं।

शुक्रवार की देर रात वे कार से कहीं जा रहे थे। चंद्रलोक चौराहे पर कमलेश गुप्ता की कार से दूसरी गाड़ी में टक्कर लग गई। इससे दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी।

एएचटीयू की मासिक बैठक में हुयी कई बिन्दुओं पर चर्चा

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी कालू सिंह के पर्यवेक्षण व उपस्थिति में थाना ए0एच0टी0 व एस0जे0पी0यू0 तथा समस्त थानों के बालकल्याण पुलिस अधिकारी के साथ मासिक गोष्ठी माह दिसम्बर 2025 की समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला पुलिस लाइन जनपद ललितपुर स्थिति सभागार कक्ष में आहुत की गयी, जिसमें महिला व बाल सुरक्षा संगठन उ0प्र0 लखनऊ द्वारा जारी स्ह्क अनुसंधान एवं थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के समक्ष आ रही समस्या एवं बाल गुमशुदा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल

भिक्षावृत्ति की रोकथाम, लैंगिक समानता, साइबर क्राइम, स्ह्/स्त्र एक्ट, नारी शक्ति किशोर न्याय अधिनियम 2015 में हुए नवीनतम संशोधन पोस्को एक्ट के अभियोग पंजीकृत होने के 24 घंटे के अंदर एसबीआर रिपोर्ट पुलिस द्वारा भरकर संबंधित को समय से भेजा जाना बाल कल्याण अधिकारी के कर्तव्य का पालन, जे.जे एक्ट के अंतर्गत सामाजिक पृष्ठभूमि आदि तथा पोक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्तों की माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त बेल नोटिस को बाल कल्याण समिति एवं सीडब्ल्यूसी को सूचित करना, पॉस्को के मामले में फार्म ए व बी व वादी/पीड़िता को अंदर समय उपलब्ध कराना के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गई । साथ ही साथ जनपद मे गुमशुदा बच्चों के पंजीकृत व लंबित मामलो व पास्को एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत अभियोगों पर चर्चा व जेजे एक्ट से सम्बंधित आदेश निर्देश एवं जागरुकता के अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया, इस बैठक मे जनपद ललितपुर के सी0डब्लू0सी0, श्रम विभाग, जिला प्रोबेशन, चाइल्ड लाइन, प्रधान किशोर न्याय बोर्ड, जिला अभियोजन, वन स्टाफ सेन्टर एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण व सभी थानो से सम्बन्धित बाल कल्याण अधिकारी/कर्म0गणों ने बैठक में प्रतिभाग किया ।

चौपाल लगाकर महिलाओं-छात्राओं को किया जागरूक

ललितपुर। नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की । आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर्स। 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड

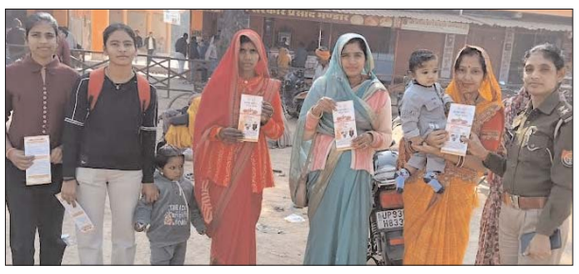

हेल्पलाइन , 181 महिला हेल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन साइबर अपराध से बचाव के लिए निम्न जानकारियाँ दी गई। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें । कभी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक डिटेल, ओटीपी आदि मांगने पर कभी न दें । सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते । किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने विना उसे फोरवर्ड व शेयर न करें । अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें । कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच, या धमकी पर विश्वास न करें । प्लेस्टोर से जैनुइन ड्डश्चश्च ही स्त्रश्र2ठ्ठद्यश्रड्डस्त्र करें, प्लेस्टोर के अलावा कहीं से भी ड्डश्चश्च स्त्रश्र2ठ्ठद्यश्रड्डस्त्र न करें । महिलाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु शासन द्वारा चलाये जा रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वन स्टाप सेन्टर, आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

प्रेम प्रसंग में भागी युवती की सड़क हादसे में मौत

मथुरा। मथुरा के थाना महावन क्षेत्र में जयपुर-बरेली हाईवे पर शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक युवती की मौत के मामले में शनिवार को बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे मृतका के परिजनों ने बताया कि यह दुर्घटना एक प्रेम प्रसंग से जुड़ी थी। तेज रफ्तार बाइक के डिवाइडर से टकराने के कारण युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक और उसकी बहन घायल हो गए। प्रारंभिक तौर पर यह मामला सामान्य सड़क दुर्घटना माना जा रहा था। हालांकि, पुलिस द्वारा परिजनों को सूचना दिए जाने के बाद पूरी कहानी सामने आई। मृतका की पहचान फिरोजाबाद के कुशलपुर, थाना बसई निवासी करिश्मा पुत्री राजकुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, करिश्मा का गांव के ही रामगढ़ मोहल्ला निवासी करन से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

ठगी करने वाले तीन आरोपी अरेस्ट

कानपुर। खोदाई में एंटीक जेवरात मिलने की बात कहकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले दो भाईयों समेत तीन आरोपियों को पनकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगों ने हमीरपुर में रहने वाले युवक को खोदाई में 500 ग्राम का सोने का हार मिलने की बात कहकर 16 लाख रुपयों का चूना लगाया था।

जिसपर पीड़ित ने पनकी थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपियों के पास से सोने-चांदी के नकली जेवरात समेत 3 लाश कैश बरामद किया है।

हमीरपुर के थाना सुमेरपुर के विदोखर गांव निवासी हरि प्रताप 14 नवंबर को हमीरपुर से उरई जा रहे थे। वह सरीला के पास पहुंचे थे, तभी एक युवक रास्ते में मिला।

जिसने खुद का नाम बब्लू बताते हुए, नमामि गंगे प्रोजक्ट में लेबर होने की बात कही।

उसने कहा कि खोदाई के दौरान उसे कुछ चांदी के सिक्के और एंटीक सोने का हार मिला है। बब्लू ने हरि प्रताप को एक चांदी का सिक्का और सोने का एक टुकड़ा दिया और बोला कि इसकी जांच करा लीजिएगा।

अगर असली हो और आप खरीदना चाहें तो हमे फोन करिएगा। हरि प्रताप ने जांच कराई, जो असली निकला। जिसके बाद हरि ने उसे फोन कर सोने का हार खरीदने के लिए कहा। जिस पर बब्लू ने कहा कि हार 500 ग्राम का है।

जिस पर हरि ने उसे 16 लाख रुपए तुरंत देने की बात कही। झांसे में फंसे हरि को शातिर बब्लू ने 23 नवंबर को पनकी पड़ाव पुल के नीचे दोपहर करीब 2 बजे बुलाया। जहां उसने 16 लाख लेकर हरि को हार बेच दिया।

हरि ने हार की जांच कराई तो वह नकली निकला। जिस पर पीड़ित ने मामले की शिकायत पनकी पुलिस से की। पुलिस ने आरोपी बब्लू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

संक्षिप्त समाचार

यमन : सरकार ने अलगाववादियों से कब्जे वाले इलाकों से हटने की मांग की

साना, एजेंसी। यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार के प्रमुख रशाद अल-अलीमी ने दक्षिणी हिस्सों में तेजी से बढ़ चुके तनाव के बीच अलगाववादी सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) से उन इलाकों से हटने की मांग की है जिन पर उन्होंने हाल ही में नियंत्रण कर लिया है। एसटीसी ने इस महीने हद्रामौत और महरा प्रांतों के बड़े हिस्सों, जिसमें तेल प्रतिष्ठान भी शामिल हैं, पर कब्जा कर लिया। इससे आशंका बढ़ गई है कि वर्षों से ठहरी हुई गृहयुद्ध स्थिति फिर भड़क सकती है। अलीमी ने कहा कि प्राथमिकता हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई को दी जानी चाहिए, और किसी भी एकतरफा कदम का देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। आईएमएफ ने भी दक्षिण में तनाव के चलते अपनी स्थिरीकरण परियोजनाएं रोक दी हैं। दूसरी ओर, एसटीसी और उसके सहयोगियों ने स्पष्ट किया है कि वे पीछे नहीं हटेंगे और दक्षिण यमन को स्वतंत्र राज्य बनाने की अपनी मांग पर अडिग हैं। उन्होंने इसे जनता का वैध अधिकार बताया। 2014 से यमन ईरान समर्थित हूतियों और सरकारी बलों के बीच बंटा हुआ है। एसटीसी सरकारी गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी अलग राज्य चाहता है। तनाव कम करने के लिए सऊदी अरब ने हद्रामौत में बैठकों की शुरुआत की है। लेकिन स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है।

पुर्तगाल में बड़ी हड़ताल, परिवहन और सेवाएं ठप

लिस्बन , एजेंसी। पुर्तगाल में गुरुवार को दो प्रमुख ट्रेड यूनियनों की संयुक्त हड़ताल ने पूरे देश में यात्रा और सेवाओं को गहराई से प्रभावित किया। इसे पिछले दस वर्षों की सबसे बड़ी हड़तालों में एक बताया जा रहा है। हड़ताल का विरोध केंद्र, रोजगार कानूनों में वे बदलाव, जो सरकार लागू करना चाहती है। इनमें कंपनियों को कर्मचारियों को निकालने में आसानी देना, अधिक क्षेत्रों में हड़ताल के अधिकार को सीमित करना और स्तनपान अवकाश को दो साल तक सीमित करना शामिल है। लिस्बन शहर सुबह शांत रहा। सार्वजनिक परिवहन लगभग ठप रहा, फ्लाइटें रद्द हुईं, मेट्रो बंद रही और बस-ट्रेन सीमित सेवा पर चलती रहीं। टीएपी एयरलाइन ने सिर्फ 63 उड़ानें संचालित कीं, जबकि 283 निर्धारित थीं। सरकारी और नगरपालिका सेवाओं में भी कामकाज बाधित रहा, कचरा संग्रहण, स्कूल, अस्पतालों में अपॉइंटमेंट रद्द हुए। निजी कंपनियों में भी कर्मचारियों की बड़ी संख्या ने काम छोड़ा। सरकार का कहना है कि देश की अर्थव्यवस्था बेहतर कर रही है और हड़ताल अनुचित है। लेकिन यूनियनें इसे कर्मचारियों पर हमला बता रही हैं और मांग कर रही हैं कि सरकार सुधार पैकेज वापस ले। पुर्तगाल में वेतन औसतन यूरोप में सबसे कम है और लोग महंगाई व बढ़ती आवास कीमतों से दबाव में हैं। इस पृष्ठभूमि में यह हड़ताल व्यापक असंतोष का संकेत मानी जा रही है।

अमेरिकी सीनेट ने स्वास्थ्य सब्सिडी विस्तार खारिज किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने गुरुवार को अफोर्डेबल केयर एक्ट (ओबामाकेयर) के तहत मिलने वाली कर सब्सिडियों को तीन साल और बढ़ाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके साथ ही यह लगभग तय है कि नए साल की शुरुआत में लाखों अमेरिकियों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम बढ़ जाएंगे। डेमोक्रेट्स द्वारा लाया गया विस्तार प्रस्ताव और रिपब्लिकनों का वैकल्पिक 'हेल्थ सेविंग अकाउंट' प्रस्ताव, दोनों गिर गए। डेमोक्रेट नेता चक शूमर ने चेताया था कि अगर यह मौका हाथ से गया तो जनता की जेब पर भारी असर पड़ेगा। रिपब्लिकन तर्क देते रहे हैं कि ओबामाकेयर योजनाएं महंगी हैं और इन्हें नए सिरे से ढांचा-परिवर्तन की आवश्यकता है। लेकिन वे कोई सर्वमान्य विकल्प नहीं दे पाए। कुछ रिपब्लिकन भी असमंजस में थे और अस्थायी विस्तार का सुझाव दे रहे थे। अब जनवरी से सब्सिडियां समाप्त होने पर बीमा बाजारों में प्रीमियम बढ़ना तय है, जिसका असर विशेषकर निम्न व मध्यम आय वर्ग पर पड़ेगा। दोनों दलों पर इसका राजनीतिक प्रभाव भी साफ दिखाई देगा।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने वित्तीय नियमन ढांचे को आसान बनाने की वकालत की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने वित्तीय नियमन ढांचे को आसान बनाने की वकालत की है और फाइनेंशियल स्टैबिलिटी ओवरसाइट काउंसिल में व्यापक सुधार का प्रस्ताव रखा है। यह वही संस्था है जिसे 2008 की वैश्विक मंदी के बाद स्थापित किया गया था ताकि जोखिमों की निगरानी की जा सके। बेसेंट ने कहा कि अतीत में सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर कई नियम बोझिल और दोहरावपूर्ण रहे हैं, जिससे आर्थिक विकास बाधित होता है। उनकी राय में अत्यधिक नियमन स्वयं वित्तीय स्थिरता को कमजोर कर देता है। एफएसओसी में फेडरल रिजर्व, एसईसी, ओसीसी और अन्य प्रमुख एजेंसियों के मुखिया शामिल हैं, और इसका काम वित्तीय प्रणाली के व्यापक जोखिमों पर नजर रखना है।

ऑस्ट्रेलिया में स्काई-डाइविंग के दौरान पैराशूटिस्ट हवा में लटका

कूदते समय विंग में फंसा; 15,000 फीट की ऊंचाई पर था एयरक्राफ्ट

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में स्काई डाइविंग के दौरान एयरक्राफ्ट से कूदते समय स्काई डाइवर का इमरजेंसी पैराशूट अचानक खुल गया। पैराशूट विमान के पिछले विंग में फंस गया, जिससे वह 15,000 फीट की ऊंचाई पर हवा में लटका रह गया। यह घटना नॉर्थ फ्री-फॉल क्लब की उड़ान के दौरान हुई।

ऑस्ट्रेलिया ट्रांसपोर्ट सेफ्टी के अनुसार, जब पैराशूट फंसा, तो प्लेन की स्पीड अचानक कम हो गई, जिससे पायलट को लगा कि प्लेन रुक गया है। इसी समय 13 पैराशूटिस्ट को एयरक्राफ्ट से कूदते हुए देखा गया। फंसे हुए पैराशूटिस्ट ने सभी 11 रस्सियां काट दीं और खुद को आजाद कराया। विंग में फंसे हुए स्काई डाइवर ने अपना मेन पैराशूट खोलकर लैंड किया। उसे मामूली चोटें आईं। इसके बाद पायलट ने मेडे कॉल किया और प्लेन छोड़ने और खुद कूदने की तैयारी करने लगा। हालांकि, थोड़ी मशक्कत के बाद प्लेन जमीन पर लैंड हो गया। पायलट ने कूदने का इशारा किया। सुबह करीब 10 बजे, पायलट ने विमान की स्पीड कम कर दी और स्काई डाइवरों को कूदने का संकेत दिया। इसी बीच, पहला स्काई डाइवर, जो फ्लोट पोजीशन लेने के लिए विमान के रोलर डोर के पास पहुंच रहा था, विमान के विंग फ्लैप से टकराने के बाद अपना रिजर्व पैराशूट खोल बैठा। अचानक लगे झटके से स्काई डाइवर विमान से पीछे की ओर खिंच गया और कैमरा ऑपरेटर का भी संतुलन बिगड़ गया और वह फंस गया। पैराशूट की रस्सी विमान के पिछले हिस्से में फंस जाती है स्काई डाइवर का पैर विमान के बाएं स्टेबलाइजर से टकरा गया, जिससे उसके पैर में चोट आ गई। विमान का पिछला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। उसके रिजर्व पैराशूट की रस्सी विमान के पिछले हिस्से में फंस गई, जिससे स्काई डाइवर विमान के नीचे लटकने लगा और उसकी जान खतरे में पड़ गई।

मिड वेज़ एट द बीच' कार्यक्रम के दौरान हुई घटना यह घटना 20 सितंबर को हुई थी। कई स्काई डाइवरों को बहु-दिवसीय 'मिड वेज एट द बीच' कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करना था, जिसमें अपने क्षेत्र में माहिर स्काई डाइवर बड़े फॉर्मेशन जंप करते हैं। विमान भी सुरक्षित रूप से उतर गया। सभी स्काई डाइवरों के विमान से बाहर निकल जाने और फंसे हुए स्काई डाइवर के सुरक्षित रूप से कूदने के बाद, पायलट ने विमान को कंट्रोल किया। उसी समय, ब्रिस्बेन केंद्र को आपातकालीन संदेश भेजकर, उन्होंने विमान को हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतारने में कामयाबी हासिल की।

घटना के सामने आने के बाद से नॉर्थ फ्री-फॉल क्लब ने अपने सुरक्षा प्रोटोकॉल में कई बदलाव किए हैं। इसके तहत, सभी स्काई डाइवरों के लिए हुक नाइफ पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भी इस घटना को पैराशूट हैंडल के प्रति जागरूकता और विमान से बाहर निकलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी। 16 स्काईडाइवरों ने हवा में हाथ मिलाकर एक श्रृंखला बनाई। 'मिड वेज एट द बीच' कार्यक्रम के दौरान स्टंट में 16 स्काई डाइवरों को 15,000 फीट (4,600 मीटर) की ऊंचाई से छलांग लगानी थी और फिर अपने पैराशूट खोलकर एक-दूसरे का हाथ पकड़कर एक चेन बनानी थी पूरे कार्यक्रम को एक पैराशूटिंग कैमरा ऑपरेटर शूट कर रहा था। लेकिन जैसे ही पहला स्काई डाइवर विमान से बाहर निकला, कुछ ही सेकंड में पूरी योजना गड़बड़ा गई। ऑस्ट्रेलियाई परिवहन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा जारी एक वीडियो में दिखाया गया है कि पहले स्काई डाइवर का पैर फिसल गया और उसका रिजर्व पैराशूट खुल गया और विमान के विंग फ्लैप में फंस गया। इससे वह स्काई डाइवर हवा में लटक गया।

सैन फ्रांसिस्को में गैस विस्फोट, 6 लोग घायल

कैलिफोर्निया, एजेंसी। कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को के अश्लैंड इलाके में गुरुवार सुबह एक भयानक गैस विस्फोट हुआ। इसमें 4 मकान पूरी तरह तबाह हो गए और छह लोग घायल हो गए हैं। यह हादसा सड़क पर मरम्मत के दौरान हुआ। सड़क चौड़ी करने और बाइक लेन बनाने वाली लेवलिंग मशीन ने गलती से जमीन के नीचे दबी हाई-प्रेशर गैस पाइपलाइन को तोड़ दिया। पेसेफिक गेस कंपनी को सुबह 7:30 बजे इसकी सूचना मिली, लेकिन गैस कई जगहों से रिस रही थी, इसलिए लाइन पूरी तरह बंद करने में 2 घंटे का समय लग गया। ठीक 9:35 बजे के करीब, यानी गैस बंद होने के सिर्फ दस मिनट बाद जोरदार धमाका हो गया।

धमाके की तीव्रता इतनी थी कि आसपास के घर हिल गए, दीवारों से सामान गिर पड़ा और दूर तक धुआं और मलबा कई फीट तक ऊपर उड़ गया। स्थानीय बोले- धमाका इतना तेज की लगा बम फट गया पड़ोस में रहने वाली ब्रिटनी माल्दोनाडो ने बताया, 'हम घर में बैठे थे, अचानक सब कुछ जोर से हिलने लगा, सामान गिरने लगा, लगा जैसे कोई बम फट गया या कोई गाड़ी सीधे हमारे लिविंग रूम में घुस आई हो।' घायलों में से तीन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, बाकी तीन को मामूली चोटें आईं। ये घायल मजदूर थे या स्थानीय निवासी, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने टीम भेजी , विस्फोट जांच जारी आग पर काबू पाने के लिए करीब 75 फायर फाइटर पहुंचे, लेकिन बिजली के तार गिरने से उन्हें भी झटके लगे और कुछ देर के लिए पीछे हटना पड़ा। फिलहाल तीन अलार्म आग बुझा ली गई है, लेकिन इलाके को घेराबंदी कर रखा गया है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (ह्वसस्क) ने जांच टीम भेज दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि पाइप टूटने के बाद भी गैस क्यों नहीं रोकी जा सकी और विस्फोट कैसे हुआ। कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जांच में सहयोग कर रही है। आसपास के लोग अभी भी सदमे में हैं और कई घरों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है।

कनाडा में विपक्ष को बड़ा झटका: कंजरवेटिव सांसद माइकल मा ने छोड़ी पार्टी, पीएम कार्नी की पार्टी में हुए शामिल

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। जहां कंजरवेटिव पार्टी के सांसद माइकल मा ने अपनी पार्टी छोड़कर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल सरकार का दामन थाम लिया। माइकल मा ओंटारियो प्रांत की मार्कहम-यूनियनविल सीट से सांसद हैं। वे पिछले एक महीने में दूसरे कंजरवेटिव सांसद हैं जिन्होंने लिबरल पार्टी ज्वॉइन की है। बात अगर माइकल मा के पार्टी छोड़ने के पीछे की कारण की करें तो अपने बयान में मा ने कहा कि वे राजनीति में 'समाधान ढूंढने, न कि विभाजन बढ़ाने के लिए आए थे। मा ने कहा कि उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी वह स्थिर और व्यावहारिक नेतृत्व दे रहे हैं जिसकी देश को जरूरत है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वे अपने इलाके के लोगों से रोजाना जिन समस्याओं के बारे में सुनते हैं, उन पर काम करने में कार्नी की सरकार बेहतर है। लिबरल पार्टी बहुमत के एक कदम करीब बता दें कि मा के शामिल होते ही लिबरल पार्टी संसद में बहुमत से सिर्फ एक सीट कम रह गई है। ऐसे में अगर वे बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो उन्हें अपने बिल पास कराने के लिए किसी विपक्षी पार्टी की जरूरत नहीं पड़ेगी। कंजरवेटिव खेमे में नाराजगी दूसरी ओर माइकल मा के इस कदम से कंजरवेटिव पार्टी के खेमे में नाराजगी का माहैल है। कंजरवेटिव नेता पियरे पोलीएव्रे ने अपनी नाराजगी जारी करते हुए कहा कि माइकल मा को उनके क्षेत्र के लोगों ने लिबरल सरकार की महंगाई बढ़ाने वाली नीतियों का विरोध करने के लिए चुना था। लेकिन आज वे उन्हीं नीतियों का समर्थन करने चले गए। हालांकि गौर करने वाली बात है कि कंजरवेटिव नेता पोलीएव्रे खुद भी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। वे अप्रैल के चुनाव में हार गए, अपनी सांसद की सीट भी खो दी और जनवरी में उनके नेतृत्व पर समीक्षा वोट होने वाला है।

पुतिन ने खुलकर किया वेनेजुएला का समर्थन, युद्ध पर उतारू ट्रंप; तेल टैंकर की जब्ती से बढ़ी टेंशन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के साथ फोन पर बातचीत में देश की संप्रभुता और नीतियों का खुला समर्थन जताया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के तट से एक बड़े तेल टैंकर को जब्त करने का ऐलान किया है। इस घटना ने कैरिबियन क्षेत्र में तनाव को नई हवा दे दी है, जहां अमेरिका की सैन्य मौजूदगी बढ़ रही है और विशेषज्ञ युद्ध की आशंका जता रहे हैं। पुतिन ने बृहस्पतिवार को वेनेजुएला के लोगों के प्रति ऐसे समय में एकजुटता व्यक्त की, जब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन ने फोन पर मादुरो से बात की और बढ़ते बाहरी दबाव के बीच राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा करने की उनकी नीति का समर्थन दोहराया।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट से एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया। यह मादुरो पर दबाव बढ़ाने की ट्रंप प्रशासन की नयी रणनीति मानी जा रही है। अमेरिका में मादुरो पर मादक आतंकवाद फैलाने के आरोप भी लगाए गए हैं। बृहस्पतिवार को अमेरिकी संसद के समक्ष अपने बयान में होमलैंड सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने टैंकर जब्ती को क्षेत्र में मादक पदार्थ विरोधी अभियान से जोड़ा। अमेरिका ने दशकों में पहली बार इस क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी इतनी बड़ी संख्या में बढ़ाई है और कथित तौर पर मादक पदार्थ की तस्करी करने वाली नौकाओं पर घातक हमले किए हैं। मादुरो का कहना है कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का असली उद्देश्य उन्हें सत्ता से हटाना है। वेनेजुएला की सरकार ने टैंकर जब्ती को खुली लूट और अंतरराष्ट्रीय समुद्री डकैती बताया। वेनेजुएला सरकार ने कहा कि पुतिन ने मादुरो को स्पष्ट रूप से अपना समर्थन दोहराया और बताया कि मॉस्को और काराकास के बीच सीधा संवाद हमेशा खुला रहेगा। रूस ने आश्वासन दिया कि वह वेनेजुएला का उसके संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और लातिन अमेरिका में शांति की रक्षा के संघर्ष में साथ देता रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज की तरह मादुरो ने भी रूस के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे हैं।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री को संसद भंग करने की मंजूरी, अगले साल की शुरुआत में होंगे आम चुनाव

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल को शुक्रवार (12 दिसंबर) को संसद भंग करने के लिए शाही स्वीकृति मिल गई है। इसके साथ ही देश में अगले साल की शुरुआत में आम चुनाव कराए जाने का रास्ता साफ हो गया है। शाही आदेश जारी होने के 45 से 60 दिनों के भीतर प्रतिनिधि सभा के चुनाव कराए जाएंगे। इस दौरान अनुतिन चर्नवीराकुल सीमित अधिकारों के साथ कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे और नई बजट मंजूर नहीं कर सकेंगे।

सीमा विवाद के बीच राजनीतिक कदम : इससे पहले प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल ने गुरुवार देर रात फेसबुक पोस्ट में लिखा कि मैं सत्ता वापस जनता को सौंपना चाहता हूं। पीएम का यह फैसला ऐसे समय आया है जब थाईलैंड कम्बोडिया के साथ वर्षों पुराने सीमा विवाद को लेकर बड़े पैमाने पर संघर्ष में उलझा हुआ है। इस हफ्ते की झड़पों में करीब दो दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और दोनों ओर से लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। 3 महीने पहले ही बने थे प्रधानमंत्री बता दें कि अनुतिन चर्नवीराकुल सिर्फ तीन महीने पहले प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने पैटोंगटार्न शिनावात्रा की जगह ली है, जिन्होंने सिर्फ एक साल तक पद संभाला था। अनुतिन ने सितंबर में संसद में हुए मतदान में जीत हासिल की थी, जिसमें मुख्य विपक्षी पीपल्स पार्टी ने उनका समर्थन इस वादे पर किया था कि वे चार महीने के भीतर संसद भंग करेंगे और एक नई संविधान सभा के लिए जनमत संग्रह कराएंगे। संविधान संशोधन विवाद बना कारण संविधान बदलने का मुद्दा इस समय केंद्र में है। अनुतिन की पार्टी भूमजथाई ने संविधान संशोधन के लिए जरूरी व्यवस्था में सीनेट के एक-तिहाई मतों को बरकरार रखने के पक्ष में वोट किया, जिसके बाद पीपल्स पार्टी ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की धमकी दी। यह विवाद संसद भंग होने की मुख्य वजह माना जा रहा है। पैटोंगटार्न सरकार से अलगाव अनुतिन पहले पूर्व प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा की कैबिनेट में मंत्री थे, लेकिन कंबोडिया के साथ सीमा तनाव से जुड़े एक राजनीतिक घोटाले के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया और अपनी पार्टी को गठबंधन से बाहर कर लिया। पैटोंगटार्न, जो पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी हैं, उनको जुलाई में पड़ोसी देश कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन के साथ एक विवादित फोन कॉल के कारण नैतिक आचार उल्लंघन में दोषी पाए जाने के बाद पद से हटा दिया गया था। अनुतिन ने पैटोंगटार्न की कैबिनेट में काम किया था, लेकिन कंबोडिया के साथ बॉर्डर पर तनाव से जुड़े एक राजनीतिक विवाद के बाद उन्होंने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और अपनी पार्टी को उनकी गठबंधन सरकार से वापस ले लिया।

अमेरिका में एआई नियमों पर राष्ट्रपति ट्रंप सख्त, राज्यों की अलग नीतियां रोकने के लिए जारी किया नया आदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एआई नियमों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना सख्त रुख अपनाया है। इसके तहत ट्रंप ने गुरुवार को एक नया कार्यकारी आदेश भी जारी किया। इस आदेश का मकसद है कि अलग-अलग अमेरिकी राज्यों द्वारा अपने-अपने नियम बनाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्योग की प्रगति न रोक दी जाए। मामले में ट्रंप का कहना है कि अगर हर राज्य अपने नियम बनाएगा, तो कंपनियों को 50 जगह से मंजूरी लेनी पड़ेगी, जिससे अमेरिका चीन के खिलाफ एआई की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएगा।

अपने इस आदेश को लेकर ट्रंप ने कहा कि एआई पर दुनिया में दौड़ लगी हुई है। ऐसे में चीन में कंपनियों को सिर्फ एक जगह से मंजूरी लेनी पड़ती है। लेकिन अमेरिका में अगर अलग-अलग राज्यों के 50 तरह के नियम हुए, तो उद्योग आगे नहीं बढ़ पाएगा।

अब समझिए क्या है नए आदेश में : बात अगर ट्रंप के नए आदेश की करें तो ट्रंप के आदेश में कुछ बड़े कदम शामिल हैं। आदेश के तहत अटॉर्नी जनरल को राज्यों के एआई से जुड़े प्रतिबंधात्मक कानूनों को चुनौती देने के लिए एक नई टास्क फोर्स गठित करने का निर्देश दिया गया है। दूसरी ओर कॉमर्स डिपार्टमेंट को ऐसे नियमों की लिस्ट तैयार करने को कहा गया है जो कंपनियों के लिए बोझ बन रहे हैं। इसके साथ ही आदेश में ये भी कहा गया है कि जिन राज्यों में एआई के बहुत सख्त नियम होंगे, उन्हें ब्रॉडबैंड और अन्य सरकारी ग्रांट कार्यक्रमों की फंडिंग रोकी जा सकती है। मामले में ट्रंप के सलाहकार और एआई निवेशक डेविड सैक्स ने कहा कि सरकार सिर्फ बहुत कठोर और अनावश्यक नियमों का विरोध करेगी, लेकिन बच्चों की सुरक्षा जैसे नियमों को नहीं रोकेगी।

अब समझिए कौन से राज्य एआई नियम बना रहे हैं : बता दें कि ट्रंप के नए आदेश के तहत अब तक चार राज्य कोलोराडो, कैलिफोर्निया, यूटा और टेक्सास ने निजी कंपनियों के लिए कुछ एआई नियम बनाए हैं। इन नियमों में व्यक्तिगत जानकारी की कम से कम संग्रह करना, कंपनियों द्वारा एआई के उपयोग में ज्यादा पारदर्शिता रखना, भेदभाव (जेंडर, नस्ल) के जोखिम का आकलन करना शामिल है। इन कानूनों की वजह यह है कि एआई पहले से ही रोजमर्रा के फैसले लेने में इस्तेमाल हो रहा है, जैसे कि नौकरी के लिए इंटरव्यू, किराए पर घर, बैंक से लोन और कुछ मेडिकल फैसलेरिसर्च में। ऐसे में सामने आया है कि एआई कभी-कभी गलत और पक्षपातपूर्ण निर्णय भी लेता है।

जापान में 6.7 की तीव्रता से आए भूकंप के झटके, सुनामी का खतरा, चेतावनी जारी

टोक्यो, एजेंसी। लगातार प्राकृतिक आपदा का सामना करने वाला देश जापान पर एक बार फिर से सुनामी का खतरा मंडरा रहा है। शुक्रवार को 6.7 की तीव्रता वाले भूकंप के आने के बाद इस द्वीपीय देश पर सुनामी की एडवायजरी जारी कर दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह खतरनाक भूकंप का केंद्र होंशू द्वीप के उत्तर में स्थित आओमोरी प्रांत के पूर्व तट से करीब 20 किलोमीटर की गहराई में था। इसने सुबह 11.44 पर जापान की धरती को झकझोर दिया। जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी के द्वारा जारी की गई चेतावनी के मुताबिक होक्काइडो, आओमोरी, इवाते और मियागी प्रांतों के प्रशांत महासागर तटीय क्षेत्रों में सुनामी की अधिकतम 1 मीटर ऊंची लहरें आ सकती हैं। गौरतलब है कि यह भूकंप जापान में शुक्रवार को आए 7.5 तीव्रता से आए भूकंप के बाद आया है, जिसमें उत्तरी जापान में काफी नुकसान किया और प्रशांत तटीय समुदायों के सामने सुनामी का खतरा पैदा किया था। सोमवार को आए उस भूकंप में करीब 34 लोख घायल हुए थे। इवाते प्रांत के कूजी बंदरगाह पर इस भूकंप की वजह से ज्वार स्तर से 2 फीट ऊंची सुनामी मापी गई थी, इसके बाद सुनामी की सभी चेतावनी हटा दी गई थी। इस बड़े भूकंप के बाद विशेषज्ञों ने बाद में झटकों की चेतावनी दी थी। जापान में लगातार आते इन भूकंपीय झटकों के बाद अधिकारियों का कहना है कि जापान के पूर्वोत्तर तट पर 8 या उससे ज्यादा तीव्रता के भूकंप का खतरा बढ़ गया है। एजेंसी ने इस क्षेत्र की 182 नगरपालिकाओं के निवासियों से कहा कि वे अगले सप्ताह अपनी आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करें। साथ ही स्पष्ट किया कि यह किसी बड़े भूकंप की भविष्यवाणी नहीं है, बल्कि सतर्क रहने की सलाह है। भूकंप के साथ सुनामी की चेतावनी शुक्रवार को आए भूकंप के बाद जापान की मौसम एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1 मीटर तक ऊंची लहरें आने का अलर्ट जारी किया गया है। कई तटीय इलाकों में दोपहर तक लगातार अलर्ट दिया गया है। एक हफ्ते में चौथी बार भूकंप से हिला जापान बता दें कि एक हफ्ते में चौथी बार जापान भूकंप की दहशत से थर्राया है। इससे पहले सोमवार को 7.6 की तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इसी के साथ हल्के नुकसान और सुनामी की लहरें भी देखी गई। इसके अगले दिन यानी मंगलवार को होंचो शहर में 6.7 मैग्नीट्यूड के झटके महसूस किए गए। वहीं बुधवार को आओमोरी और होक्काइडो में भी 6.5 की तीव्रता का भूकंप आया। अब आज यानी शुक्रवार को फिर से 6.7 की तीव्रता के भूकंप से जापान हिला है। ऐसे में लगातार तीसरे दिन भूकंप की दहशत महसूस की गई।

धर्मशाला में रोमांचक भिड़ंत, दोनों टीमों की नजर सीरीज में बढ़त लेने पर

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम रविवार को तीसरे अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले का गवाह बनेगा। पांच मैचों की सीरीज में बढ़त हासिल करने के लिए दोनों टीमें पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेंगी। पहले मैच में भारत ने शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन दूसरे में दक्षिण अफ्रीका ने जोरदार वापसी करते हुए बराबरी कर दी। अब इस खूबसूरत पहाड़ी मैदान पर एक रोमांचक और निर्णायक मुकाबले की उम्मीद है।

भारत की बल्लेबाजी: उम्मीद और चुनौती

भारतीय बल्लेबाजी ने कुछ सकारात्मक संकेत दिए हैं, लेकिन शीर्ष क्रम में निरंतरता की कमी नजर आई है। पहले दो मैचों में शुरुआती झटकों के बाद मिडिल ऑर्डर में तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या ने पारी को संभालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ओपनर अभिषेक शर्मा की पावरप्ले रणनीति का मुख्य हिस्सा हैं, और उनसे तेज शुरुआत देने की उम्मीद है। वहीं सीनियर बल्लेबाज शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव बड़े स्कोर बनाने और लाइनअप को स्थिरता देने के लिए उत्सुक हैं।

गेंदबाजी पर सबकी नजर

पिछले मैच में काफी रन देने के बाद भारत की गेंदबाजी इकाई पर सभी की निगाहें होंगी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दूसरे टी-20 में शुरुआती विकेट नहीं ले पाए थे। इस बार उन्हें तेज पिच पर बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने पहले मैचों में विकेट लिए हैं और वे बीच के ओवरों में नियंत्रण स्थापित करने की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका की रणनीति और ताकत

दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में दमदार बल्लेबाजी से जीत हासिल कर आत्मविश्वास बढ़ाया है। क्विंटन डी कॉक आक्रामक पारी खेलकर टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि कप्तान एडन मारक्रम अच्छी शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। टीम की बल्लेबाजी गहराई डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर और डोनोवन फरेरा ने मजबूत की है। गेंदबाजी में ओटनील बार्टमैन ने चार विकेट लिए थे और मार्को यानसन की अतिरिक्त बाउंस और लुंगी एनगिडी के तेज आक्रमण से पावरप्ले और डेथ ओवर में दबाव बनाएंगे।

धर्मशाला का मैदान और मुकाबले की परिस्थितियां

धर्मशाला की छोटी बाउंड्री बल्लेबाजों को स्ट्रोक प्ले में मदद करती है। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 187 के आसपास है और शाम को ओस पड़ने की संभावना रहती है। दोनों टीमें सीरीज में मनोवैज्ञानिक बढ़त लेने के लिए बेताब हैं, इसलिए रोमांचक मुकाबले की पूरी उम्मीद है। भारत घरेलू फायदे पर भरोसा करेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका अपनी नई गति बनाए रखना चाहेगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा।

दक्षिण अफ्रीका: रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), एडन मारक्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, माकर यानसन, लुथो सिपामला, लुंगी एनगिडी, ओटनील बाटमैन, ट्रिस्टन स्टब्स, केशव महाराज, एनरिक नॉटर्जे, टोनी डी जॉर्जी, कॉर्बिन बॉश, क्वेना मफाका।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित सिंधु, लक्ष्य पर रहेंगी नजरें

–युगल वर्ग में सात्विक–चिराग संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने अगले साल तीन से आठ फरवरी तक चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु , लक्ष्य सेन के आलावा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी को भी शामिल किया गया है। भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में गत विजेता है जबकि पुरुष टीम ने पूर्व में कांस्य पदक जीते थी।

बीएआई ने कहा, 'रैंकिंग, प्रदर्शन और अनुभव के आधार पर चयनित महिला टीम की कमान एक बार फिर सिंधु संभालेंगी। पुरुश्य एकल में लक्ष्य टीम के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी होंगे। वहीं किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली को भी शामिल किया गया है।

सात्विक-चिराग पुरुष युगल वर्ग में टीम की अगुवाई करेंगे उनकी टीम में साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय के साथ ही हरिहरन अमसाकरुणन भी शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में सिंधु के साथ ही तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा, रक्षिता श्री संतोष रामराज और मालविका बंसोड़ रहेंगे। गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली महिला युगल में भारत की अगुवाई करेंगी।

टीमें

पुरुष : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, प्रणय एचएस, थारुन मन्नेपल्ली, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय, साई प्रतीक के, हरिहरन अमसाकरुणन।

महिला : पीवी सिंधु, उन्नति हुडा, तन्वी शर्मा, रक्षिता श्री संतोष रामराज, मालविका बंसोड़, त्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद, प्रिया कोंजेंगबम, श्रुति मिश्रा, तनीषा क्रास्टो।

डोमेस्टिक क्रिकेट में चमके मोहम्मद सिराज, शानदार गेंदबाजी के बाद खेल भावना से जीता दिल

नई दिल्ली । भारतीय टी20 टीम में फिलहाल जगह न मिलने के बावजूद तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज मैदान पर खुद को साबित करने में जुटे हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से मिले इस छोटे ब्रेक का उन्होंने सकारात्मक इस्तेमाल किया है और घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार 12 दिसंबर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिराज ने हैदराबाद की ओर से खेलते हुए अपनी घातक गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींच लिया। इस मैच में उन्होंने 3.5 ओवर में मात्र 17 रन देकर 3 अहम विकेट झटके और टीम की जीत की नींव रखी। उनके इस प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

मुंबई जैसी मजबूत टीम के खिलाफ सिराज की सटीक लाइन-लेंथ और तेज रफ्तार ने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। उनकी गेंदबाजी के दम पर हैदराबाद की टीम मुंबई को 131 रन के स्कोर पर ही समेटने में कामयाब रही। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद ने बेहद आक्रामक अंदाज अपनाया और 11.5 ओवर में ही 9 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। इस आसान जीत के हीरो बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल रहे, जिन्होंने 40 गेंदों पर 7 चौके और 4 लंबे छक्कों की मदद से 75 रन की शानदार पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी ने मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

हालांकि मैच के बाद सबसे ज्यादा चर्चा मोहम्मद सिराज की खेल भावना की रही। जब उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार लेने के लिए बुलाया गया तो उन्होंने सीनियर खिलाड़ी होने का परिचय देते हुए यह सम्मान अपने साथी खिलाड़ी तन्मय अग्रवाल के साथ साझा कर लिया। सिराज का मानना था कि टीम की जीत में तन्मय की पारी उतनी ही अहम थी, जितनी उनकी गेंदबाजी। उनके इस जेस्चर ने न सिर्फ तन्मय का हौसला बढ़ाया, बल्कि ड्रेसिंग रूम में टीम स्पिरिट की मिसाल भी पेश की।

14 साल के छोरे वैभव बने दुनिया में यूथ वनडे में 50 छक्के लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी

वैभव के निशाने पर किंग कोहली का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी अभी 14 साल के हैं, लेकिन उनके बल्ले की गूंज अभी से ही पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी है। आईपीएल 2025 में हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचने के बाद यह युवा खिलाड़ी अंडर-19 क्रिकेट में धूम मचा रहा है। भारतीय अंडर 19 टीम वर्तमान में दुबई में जारी अंडर-19 एशिया कप में हिस्सा ले रही है। भारत का पहला मैच यूएई से हुआ, इस मैंच को टीम इंडिया ने 234 रनों की विशाल अंतर से जीता। भारत की ओर से जीत में अहम भूमिका वैभव सूर्यवंशी ने 171 रनों की धुआंधार पारी खेलकर निभाई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 95 गेंदों का सामना किया, जिसमें 9 चौके और 14 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 14 छक्कों के साथ उन्होंने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया जो यूथ 19 क्रिकेट के इतिहास में आजतक कोई बल्लेबाज नहीं बना सका था।

दरअसल यह रिकॉर्ड है अंडर 19 ओडीआई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का बना है। वैसे मैच से पहले ही वैभव इस लिस्ट में पहले पायदान पर थे, मगर इन 14 छक्कों के साथ वह यूथ वनडे में 50 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

जी हां, वैभव ने अभी तक यूथ 19 वनडे में 12 ही मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें वह 57 छक्के जड़ चुके हैं। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर भारत के ही उनमुक्त चंद हैं, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे।

वैभव सूर्यवंशी के नाम अब यूथ 19 वनडे में कुल 727 रन हो गए हैं। उनकी नजरें विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने पर होगी। विराट ने अपने यूथ 19 करियर में 28 मैचों में 978 रन बनाए थे। विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी के बीच अब 251 रनों का ही अंतर रह गया है।

वहीं भारत के लिए यूथ 19 वनडे में सबसे ज्यादा 1404 रन बनाने का रिकॉर्ड विजय जोल के नाम है, हालांकि वह भारतीय सीनियर टीम में कभी अपनी जगह नहीं बना सके। लिस्ट में यशस्वी जायसवाल 1386 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं।

कोलकाता में लियोनल मेसी की 70 फुट ऊंची प्रतिमा का भव्य अनावरण

कोलकाता । अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और विश्व फुटबॉल आइकन लियोनल मेसी ने कोलकाता में अपनी 70 फुट ऊंची प्रतिमा का वर्चुअल माध्यम से अनावरण किया। यह प्रतिमा शहर के प्रमुख आकर्षण बिग बेन और फुटबॉल लीजेंड डिएगो माराडोना की प्रतिमा के समीप स्थापित की गई है। प्रतिमा के अनावरण के दौरान मौके पर मौजूद हजारों प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। 卐मेसी–मेसी卐 के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा और फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ी की एक झलक पाने को बेताब नजर आए। इससे पहले लियोनल मेसी तड़के करीब तीन बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पहले से ही बड़ी संख्या में प्रशंसक जमा थे। एयरपोर्ट से लेकर होटल तक सड़क के दोनों ओर खड़े फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मेसी को शहर के हयात रीजेंसी होटल ले जाया गया। उनके लिए होटल का कमरा नंबर 730 आरक्षित किया गया है, जबकि सुरक्षा कारणों से पूरा सातवां फ्लोर भी विशेष रूप से बुक किया गया है। कोलकाता प्रवास के दौरान मेसी की बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान से मुलाकात भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

वेंकटेश के रवैये के कारण उसे केकेआर ने लिया था : अभिषेक नायर

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने वेंकटेश अय्यर को मिनी नीलामी के पहले रिलीज कर दिया है। ऐसे में अब वेंकटेश 16 दिसंबर को होने वाली नीलामी में दो करोड़ की बेस प्राइज के साथ उतरेंगे। वहीं केकेआर के कोच अभिषेक नायर ने वेंकटेश की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे पिछले सत्र में अपनी टीम में जोड़ने का कारण बताया है। नायर ने कहा है वेंकटेश अय्यर को उसके रवैये के कारण टीम में शामिल किया था। वेंकटेश को 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी–नीलामी में केकेआर ने अपने साथ रखा है। नायर ने कहा कि ट्रायल के दौरान वेंकटेश के आँकड़ों की बजाय उनके खेलने के अंदाज पर हमने ध्यान दिया। हमने देखा कि पहले दिन बेहतर प्रदर्शन के बाद भी वेंकटेश ने कभी हमार ओर देखकर प्रभावित करने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने किसी को खुश करने की कोशिश नहीं की। मुझे लगा कि उनमें बहुत ज़्यादा रवैया है जो अच्छा संकेत है। उन्होंने दूसरे दिन, हमने उसे खेलने का अवसर दिया। अंतिम ओवर में, जब हमारे गेंदबाज़ को परेशानी उसने आगे बढ़कर कहा कि मैं अंतिम ओवर करुंगा। उसने गेंदबाजी की और 18 रन दिए, लेकिन मुझे उसके विपरीत हालातों का सामना करने का तरीका पसंद आया। अपने करियर मे साल 2021 में, वेंकटेश ने अच्छी शुरुआत की और अपने पहले सत्र के दस मैचों में 370 रन बनाए, जिससे केकेआर फाइनल में पहुँच गया पर वह चेन्नई सुपर किंग्स से हार गए। 2024 में अपने खिताब जीतने वाले वर्ष में, इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने फिर से 370 रन बनाए। 2025 में हालात उन्होंने 11 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 20.28 की औसत से केवल 142 रन बनाये जिसके लिए उनकी काफी आलोचना हुई थी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: रोजर फेडरर की संन्यास के बाद टेनिस कोर्ट पर ऐतिहासिक वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर जनवरी में एक बार फिर ऑस्ट्रेलियन ओपन की धरती पर लौटने जा रहे हैं। टूर्नामेंट आयोजकों ने पुष्टि की है कि फेडरर 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के आधिकारिक लॉन्च इवेंट 'बैटल ऑफ द वर्ल्ड नंबर-1s' की अगुवाई करेंगे। यह खास आयोजन टूर्नामेंट की शुरुआत से एक दिन पहले, 18 जनवरी को मेलबर्न पार्क में होगा।

यह पहली बार होगा जब ऑस्ट्रेलियन ओपन में औपचारिक ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी। इस दौरान रॉड लेवर एरिना में फेडरर को खास श्रद्धांजलि दी जाएगी, जिन्होंने अपने करियर में यहां छह बार नॉर्मन ब्रूक्स ट्रॉफी जीती थी। फेडरर 2022 में संन्यास के बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित कोर्ट पर नजर आएंगे।

सितारों से सजा मुकाबला, अगासी-राफ्टर-हेविट भी होंगे शामिल

इस खास इवेंट में फेडरर के साथ चार बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आंद्रे अगासी, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी पैट राफ्टर और लेटन हेविट भी हिस्सा लेंगे। यह मुकाबला टेनिस प्रेमियों के लिए यादगार अनुभव बनने वाला है।

फेडरर की भावुक प्रतिक्रिया

रोजर फेडरर ने कहा, 'मुझे आज भी याद है जब मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन को 'हैप्पी स्लैम' कहा था। रॉड लेवर एरिना पर बिताए गए पल मेरे लिए बेहद खास रहे हैं। छह बार ट्रॉफी उठाने की खुशी, महान खिलाड़ियों से मुकाबले और ऑस्ट्रेलियाई फैंस का प्यार–सब कुछ अविस्मरणीय है।'

उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार खिताब जीतने को अपने करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक बताया।

फेडरर का ऑस्ट्रेलियन ओपन रिकॉर्ड

रोजर फेडरर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब 2004, 2006, 2007, 2010, 2017 और 2018 में जीता था। कुल 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले फेडरर का मेलबर्न से खास रिश्ता रहा है।

मैच फिक्सिंग के मामले में चार भारतीय खिलाड़ी निलंबित, क्रिकेट जगत में हड़कंप

-सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में सामने आया गंभीर मामला

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक बार फिर ईमानदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025–26 में सामने आए एक गंभीर मामले में असम क्रिकेट एसोसिएशन ने सख्त कदम उठाते हुए चार खिलाड़ियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई है, जिसने टूर्नामेंट की निष्पक्षता पर गहरी चिंता पैदा कर दी है। निलंबन की कार्रवाई जिन खिलाड़ियों पर हुई है, उनमें ईशान अहमद, अमन त्रिपाठी, अमित सिन्हा और अभिषेक ठाकुर शामिल हैं। इन सभी पर आरोप है कि उन्होंने असम टीम से जुड़े खिलाड़ियों को प्रभावित करने और उन्हें गलत दिशा में उकसाने की कोशिश की। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में इनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक 26 नवंबर से 8 दिसंबर के बीच खेले गए मुकाबलों के दौरान इन चारों की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। जैसे ही यह मामला अधिकारियों के संज्ञान में आया, असम क्रिकेट एसोसिएशन ने बिना देरी किए अनुशासनात्मक कदम उठाया। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण का खुलासा बीसीसीआई की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट की जांच के बाद हुआ। असम क्रिकेट एसोसिएशन ने प्रेस बयान जारी कर साफ कहा है कि ऐसे कृत्य खेल की निष्पक्षता और भरोसे को नुकसान पहुंचाते हैं। हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए चारों खिलाड़ियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया गया है। निलंबन की अवधि के दौरान ये खिलाड़ी असम क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत आयोजित किसी भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी। इस घटना ने एक बार फिर घरेलू क्रिकेट में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त निगरानी और कड़े कदमों की जरूरत को उजागर कर दिया है।

टीम इंडिया की अगली मंजिल 1000 इंटरनेशनल जीत, इतिहास रचने से महज 72 मुकाबले दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की वनडे और टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बनी भारतीय क्रिकेट टीम अब इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। टीम इंडिया का अगला बड़ा सपना 1000 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने का है। भारतीय क्रिकेट का सफर 1932 में शुरू हुआ था, जब टीम ने अपना पहला इंटरनेशनल मुकाबला खेला, लेकिन पहली जीत के लिए भारत को करीब 20 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार 1952 में मद्रास में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत ने भारतीय क्रिकेट के खाते में पहली सफलता दर्ज कराई।

भारतीय क्रिकेट को असली पहचान 1983 में मिली, जब कपिल देव की कप्तानी में टीम इंडिया ने पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। इस जीत के बाद भारतीय क्रिकेट ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और धीरे-धीरे खुद को विश्व क्रिकेट की ताकत के रूप में स्थापित किया। समय के साथ उतार-चढ़ाव जरूर आए, लेकिन भारत ने लगातार खुद को मजबूत किया और आज टीम इंडिया दो वनडे वर्ल्ड कप, दो टी20 वर्ल्ड कप और तीन आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर चुकी है।

अब तक भारत ने टेस्ट, वनडे और टी20 फॉर्मेट को मिलाकर कुल 1931 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इनमें से 928 मैचों में टीम इंडिया को जीत मिली है, जबकि 709 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा 18 मैच टाई रहे, 224 ड्रॉ हुए और 52 मुकाबलों का कोई नतीजा नहीं निकल सका। 1000 जीत के ऐतिहासिक आंकड़े तक पहुंचने के लिए भारत को अभी 72 और मैच जीतने होंगे। हाल के वर्षों में टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। 1 जनवरी 2023 से अब तक भारत ने 153 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिनमें से 103 में जीत हासिल की है। मौजूदा शेड्यूल और औसत प्रदर्शन को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले दो से तीन साल के भीतर टीम इंडिया 1000 जीत के इस जादुई आंकड़े को छू सकती है।

फिलहाल इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया है, जिसने टेस्ट, वनडे और टी20 को मिलाकर 1163 मुकाबले जीते हैं। भारत इस सूची में दूसरे स्थान पर है। फॉर्मेट के लिहाज से देखें तो भारत को सबसे ज्यादा सफलता टी20 क्रिकेट में मिली है, जहां टीम 173 जीत के साथ दुनिया में सबसे आगे है। वनडे क्रिकेट में भारत ने 570 मुकाबले जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया है, जबकि टेस्ट क्रिकेट में 185 जीत के साथ टीम चौथे पायदान पर बनी हुई है। ये आंकड़े साफ तौर पर बताते हैं कि भारतीय क्रिकेट इतिहास रचने के बेहद करीब खड़ा है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में टीम इंडिया छठवें पायदान पर पहुंची

-ऑस्ट्रेलिया टॉप तो दक्षिण अफ्रीका दूसरे , श्रीलंका तीसरे , पाकिस्तान पांचवें स्थान पर

दुबई। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की 9 विकेट की जीत के बाद भारतीय टीम को झटका लगा है। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में टीम इंडिया छठवें पायदान पर पहुंच गई। शानदार जीत से तीन मैचों की श्रृंखला में 1–0 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड टीम तालिका में तीसरे स्थान पर आ गई। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआती दो चक्र की उपविजेता रही भारतीय टीम को पिछले महीने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से 0–2 से हार का सामना करने के बाद बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेसिन रिवर्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में शुक्रवार को न्यूजीलैंड की बड़ी जीत के बाद तालिका में उलटफेर देखने को मिला। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 100 फीसदी अंकों के साथ पहले स्थान पर डटा हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 75 फीसदी अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। श्रीलंका संयुक्त तीसरे जबकि पाकिस्तान पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड ने अब तक 66.67 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं, जबकि भारत का जीत–हार प्रतिशत 48.15 है। इंग्लैंड अगर एशेज में वापसी की तो भारतीय टीम और नीचे खिसककर सातवें स्थान पर आ सकती है। ऑस्ट्रेलिया एशेज श्रृंखला में 2–0 से आगे है और श्रृंखला में तीन और मैच खेले जाने हैं। भारतीय टीम को अपनी अगली टेस्ट श्रृंखला अगस्त 2026 में श्रीलंका के खिलाफ खेलनी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस जीत से न्यूजीलैंड को 12 अंक मिले जबकि श्रृंखला का शुरुआती मुकाबला ड्रॉ पर छूटा था। न्यूजीलैंड 16 अंक और 66.67 फीसदी अंक के साथ श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर है। श्रृंखला का तीसरा टेस्ट मैच 18 दिसंबर से होगा।

तीसरे टी20 से पहले बोले तिलक वर्मा, सलामी बल्लेबाजों को छोड़कर बाकी सभी खिलाड़ी...

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले, भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने टीम के लिए किसी भी क्रम में बल्लेबाजी करने की इच्छा व्यक्त की और पिछले मैच में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने के विवादास्पद फैसले का बचाव किया, जिसमें भारत 51 रनों से हार गया था। सीरीज 1-1 से बराबर होने के बाद, भारत रविवार को धर्मशाला में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बढ़त बनाने का लक्ष्य रखेगा। बल्लेबाजी क्रम को लेकर भारतीय टीम का प्रयोग अभी खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि पिछले मैच में 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अक्षर पटेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था, लेकिन वे सिर्फ 21 रन ही बना सके।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में तिलक ने कहा कि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को छोड़कर बाकी सभी बल्लेबाज लचीले हैं। तिलक ने कहा कि ओपनर्स को छोड़कर बाकी सभी बल्लेबाज लचीले हैं। सभी बल्लेबाज कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मैं तीसरे, चौथे, पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हूं, टीम मुझे जहां भी मौका दे। मैं इसके लिए तैयार हूं।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है, जहां उन्होंने 13 पारियों में 55.37 के औसत और लगभग 170 के स्ट्राइक रेट से 443 रन बनाए हैं, जिनमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। चौथे नंबर पर भी तिलक का औसत 54.44 है, जहां उन्होंने 14 पारियों में दो अर्धशतकों के साथ 490 रन बनाए हैं, जिनमें एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 69* रन की पारी भी शामिल है, लेकिन इस पोजीशन पर उनका स्ट्राइक रेट गिरकर 128.60 हो जाता है।

अक्षर को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए भेजने का बचाव करते हुए तिलक ने कहा, ÷अक्षर विश्व कप में भी ऐसा ही कर चुके हैं। और उन्होंने उस स्थान पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। इसलिए एक-दो खराब मैच तो होते ही रहते हैं।÷ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका से टीम इंडिया की हार के बाद, सहायक कोच रयान टेन डोएस्केट ने कहा कि ऑलराउंडर अक्षर पटेल को नंबर तीन पर भेजने का निर्णय केवल ÷संयोजन के लिहाज से चीजों को आजमाने÷ के लिए लिया गया था।

डायबिटीज की नई दवा: नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में लॉन्च की सेमाग्लूटाइड आधारित दवा 'ओजेम्पिक

नई दिल्ली।

तेजी से बढ़ते ग्लूकागॉन-लाइक पेप्टाइड (जीएलपी-1) बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में सेमाग्लूटाइड आधारित मधुमेह की दवा 'ओजेम्पिक'लॉन्च कर दी है। कंपनी ने इसकी शुरुआती 0.25 मिलीग्राम (एमजी) खुराक की कीमत 2,200 रुपये प्रति सप्ताह रखी है। यह लॉन्च सेमाग्लूटाइड की पेटेंट अवधि खत्म होने से कुछ महीने पहले किया गया है, जो मार्च 2026 में समाप्त हो जाएगी।

ओजेम्पिक का उद्देश्य सस्ती और प्रभावी दवा प्रदान करना है, खासकर ऐसे समय में जब उसकी प्रतिस्पर्धी इलाई लिली की मौनजारो भारत में मोटापे और मधुमेह की सबसे अधिक बिकने वाली दवा बन चुकी है। मौनजारो ने पिछले तीन महीनों में मार्केट में दबदबा बना लिया है। ओजेम्पिक सप्ताह में एक बार लगने वाली इंजेक्शन है, जो टाइप-2 डायबिटीज के इलाज में उपयोग की जाती है। साथ ही, मोटापे और वजन प्रबंधन में भी मरीजों को इसके लाभ देखे गए हैं। यह दवा 0.25 एमजी, 0.5 एमजी और 1 एमजी की तीन खुराकों में उपलब्ध होगी।

प्रारंभिक पैकेजिंग में 0.25 एमजी इंजेक्शन के चार प्री-फिल्ड पेन शामिल हैं, जिसकी कीमत प्रति माह 8,800 रुपये (2,200 रुपये प्रति सप्ताह) रखी गई है। 0.5 एमजी की खुराक प्रति माह 10,170 रुपये (2,542.5 रुपये प्रति सप्ताह) और 1 एमजी की खुराक 11,175 रुपये (2,793.75 रुपये प्रति सप्ताह) में उपलब्ध होगी। नोवो नॉर्डिस्क इंडिया के प्रबंध निदेशक विक्रांत श्रोत्रिय ने कहा कि अब ओजेम्पिक भारत में इंसुलिन मूल्य दायरे में उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि भारत में नवाचार का मतलब केवल लॉन्च नहीं बल्कि इसकी पहुंच सुनिश्चित करना भी है। इस साल मार्च में लॉन्च हुई मौनजारो ने मात्र सात महीनों में 496 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इस प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नोवो ने जून 2025 में मोटापे की दवा वेगोवी भी लॉन्च की थी, लेकिन उसकी बिक्री धीमी रही और नवंबर तक महज 50 करोड़ रुपये की आय हुई। इसके बाद कंपनी ने सभी खुराकों की कीमतों में 30 से 35 फीसदी की कटौती की।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परमाणु ऊर्जा विधेयक को मंजूरी दी

- सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परमाणु ऊर्जा विधेयक को मंजूरी दी है। इसका मुख्य उद्देश्य गैर-सामरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों और विदेशी तकनीक आपूर्तिकर्ताओं के लिए खोलना है। इसके तहत परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 में संशोधन प्रस्तावित है। वर्तमान कानून निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश को रोकते हैं, जबकि विधेयक पारित होने पर यह बाधाएं दूर हो सकती हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है। यह पहल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा फरवरी में प्रस्तुत बजट भाषण में घोषित परमाणु ऊर्जा मिशन को लागू करने में मदद करेगी। उच्च-स्तरीय पैनल की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि निजी क्षेत्र की भागीदारी के बिना यह लक्ष्य हासिल करना कठिन होगा। निजी कंपनियों की भागीदारी से परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध होगी और निर्माण में दक्षता बढ़ेगी। इससे तेज़ और लागत-कुशल परियोजना निष्पादन संभव होगा। हालांकि, आपूर्तिकर्ता और संभावित ऑपरेटर सीएलएनडी अधिनियम के दायित्व की सीमा को लेकर अनिश्चित हैं। विधेयक को संसद के वर्तमान सत्र के विधायी एजेंडे में शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि विधेयक मसौदे के अंतिम चरण में है और मंत्रालयों की टिप्पणियों के बाद इसे आगे बढ़ाया जाएगा। यह कदम भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य के लिए रणनीतिक महत्व रखता है।

नवंबर में रिटेल महंगाई 0.71 फीसदी पहुंची, अक्टूबर में 0.25 फीसदी थी

- अक्टूबर में महंगाई खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी

- नवंबर में महंगाई बढ़ी क्योंकि जरूरी चीजों और ईंधन की कीमतें बढ़ गईं

- शहरी इलाकों में महंगाई तेजी से बढ़ी, जबकि ग्रामीण इलाकों में धीरे-धीरे बढ़ी

नई दिल्ली । सरकार ने नवंबर 2025 के महंगाई आंकड़े जारी किए। रिटेल महंगाई यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 0.71 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह केवल 0.25 फीसदी पर थी, जो पिछले 14 साल में सबसे कम थी।

नवंबर में महंगाई में बढ़ोतरी मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस-मछली, मसालों, ईंधन और बिजली की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। सीपीआई बास्केट में करीब 50 फीसदी हिस्सा खाने-पीने की चीजों का होता है। नवंबर में खाद्य महंगाई माइनस 5.02 फीसदी से बढ़कर -3.91 फीसदी हो गई। इसका मतलब यह है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट धीमी हुई। महंगाई में अंतर शहर और गाँव के बीच साफ देखा गया। ग्रामीण महंगाई -0.25 फीसदी से बढ़कर -0.10 फीसदी हुई, जबकि शहरी महंगाई 0.88 फीसदी से बढ़कर 1.40 फीसदी पर पहुंच गई। इससे पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में महंगाई की वृद्धि ज्यादा तेज रही। भारत में सीपीआई की वर्तमान सीरीज 2012 बेस ईयर पर आधारित है। बेस ईयर वह साल होता है जिसकी कीमतों को आधार मानकर तुलना की जाती है। उदाहरण के लिए, अगर 2020 में टमाटर 50 रुपए था और 2025 में 80 रुपए हो गया।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर बैन का विकल्प विचाराधीनः आरबीआई

- क्रिप्टोकरेंसी का कोई आंतरिक मूल्य नहीं है, इसका कोई आधिकारिक जारीकर्ता नहीं

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रवि शंकर ने कहा कि भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का विकल्प गंभीरता से विचाराधीन है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला सरकार करेगी और यह सभी हितधारकों की राय लेने के बाद होगा। डिप्टी गवर्नर ने क्रिप्टोकरेंसी को सिर्फ कोड का एक टुकड़ा बताया और कहा कि इसमें पैसे की मूलभूत विशेषताएं नहीं हैं, इसलिए इसे वास्तविक मुद्रा नहीं माना जा सकता। उन्होंने बताया कि क्रिप्टोकरेंसी का कोई आंतरिक मूल्य नहीं है, इसका कोई आधिकारिक जारीकर्ता नहीं है और यह किसी भुगतान के वादे पर आधारित नहीं होती। इसकी कीमतें पूरी तरह सट्टेबाजी और अनुमान पर निर्भर करती हैं। भारत में फिलहाल क्रिप्टो ट्रेडिंग गैरकानूनी नहीं है, लेकिन सरकार इसके लेन-देन पर कड़ा टैक्स लगा रही है। क्रिप्टो से होने वाली आय पर 30 फीसदी टैक्स और हर ट्रांजैक्शन पर एक फीसदी टीडीएस लागू है। भारत में क्रिप्टो निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिसमें सबसे ज्यादा 18 से 25 साल के युवा शामिल हैं। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि क्रिप्टो के जोखिमों को देखते हुए बैन एक विकल्प हो सकता है, लेकिन सभी पक्षों की राय लेने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

चांदी का दवा से लेकर इंडस्ट्रीयल धातु तक का सफर

- चांदी के एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस को रोकते हैं

नई दिल्ली।

चांदी सिर्फ आभूषण या निवेश के लिए ही नहीं, बल्कि आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाती है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस को रोकते हैं। घाव भरने वाली ड्रेसिंग, बर्न क्रीम, मेडिकल बैंडेज और सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स में सिल्वर कोटिंग संक्रमण का खतरा कम करती है। कुछ देशों में सिल्वर-आधारित वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम भी पानी को बैक्टीरिया-फ्री बनाने में मदद करते हैं। चांदी दुनिया की सबसे अच्छी इलेक्ट्रिकल कंडक्टर है। इसलिए इसका उपयोग स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी, माइक्रोचिप्स और सर्किट बोर्ड में अनिवार्य है। 5जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के बढ़ते चलन के कारण चांदी की इंडस्ट्रियल मांग लगातार बढ़ रही है। सोलर पैनल में सिल्वर पेस्ट का इस्तेमाल सूर्य की रोशनी को बिजली में बदलने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाता है। जैसे-जैसे दुनिया ग्रीन एनर्जी की ओर बढ़ रही है, सोलर पावर की मांग के साथ चांदी की खपत भी बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक कारों में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, पावर कंट्रोल यूनिट और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चांदी का उपयोग अधिक होता है। ईवी सेक्टर के तेजी से बढ़ने के कारण चांदी की इंडस्ट्रियल मांग में इजाफा हो रहा है। भारत में मिठाइयों और धार्मिक अनुष्ठानों में चांदी का उपयोग सांस्कृतिक महत्व रखता है। निवेशक इसे सोने का सस्ता विकल्प मानते हैं, लेकिन असली ताकत इसके ड्यूल कैरेक्टर में है- यह कीमती धातु भी है और इंडस्ट्रियल मेटल भी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 687.26 अरब डॉलर

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.033 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर हो गया। पिछले सप्ताह भंडार 1.877 अरब डॉलर घटकर 686.227 अरब डॉलर था। विदेशी मुद्रा आस्तियां घटकर 556.88 अरब डॉलर रह गईं, जिसमें यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का असर शामिल है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.188 अरब डॉलर बढ़कर 106.984 अरब डॉलर हो गया। वहीं, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में 93 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 18.721 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 97 लाख डॉलर घटकर 4.675 अरब डॉलर रह गई। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी मुद्रा में गिरावट के बावजूद स्वर्ण और एसडीआर में वृद्धि ने कुल भंडार को स्थिर बनाए रखा।

एयर इंडिया ने कोहरे से उड़ानों में होने वाली देरी के लिए किए विशेष इंतजाम

- एयर इंडिया ने अपनी फॉग केयर पहल शुरू की

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने 10 दिसंबर 2025 से 10 फरवरी 2026 तक देश में आधिकारिक फॉग विंडो घोषित की है। इस दौरान कोहरे के कारण उड़ानों में देरी या रद्द होने की संभावना अधिक होती है। एयरलाइन ने इस समस्या को कम करने और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए पहले से विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। एयर इंडिया ने अपनी फॉग केयर पहल शुरू की है। इसके तहत उन उड़ानों को पहले से चिन्हित किया जाएगा, जो कोहरे से प्रभावित हो सकती हैं। प्रभावित यात्रियों को उनकी उड़ानों के बारे में एसएमएस, वाटसएप और ईमेल के जरिए समय रहते जानकारी दी जाएगी। इससे यात्रियों को अपनी यात्रा योजना बदलने या तैयारी करने का अवसर मिलेगा। अगर फ्लाइट लेट होती है या समय बदलता है, तो टिकट बिना अतिरिक्त शुल्क के किसी अन्य दिन के लिए री-शेड्यूल की जा सकती है। यदि ट्रिप कैंसिल करनी हो तो पूरा पैसा वापस मिलेगा, किसी प्रकार की पेनल्टी नहीं लगेगी और देरी होने पर यात्रियों को ग्राउंड असिस्टेंस, रिफ्रेशमेंट और केयर पैक जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। एयर इंडिया ने सीएटी-3बी सर्टिफाइड पायलट और अतिरिक्त क्रू तैनात किए हैं। सीएटी-3बी सर्टिफाइड सर्टिफाइड विमान दिल्ली जैसे हाई-रिस्क एयरपोर्ट पर लगाए जाएंगे। एयरलाइन का इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर मौसम की लगातार निगरानी करेगा और जरूरत पड़ने पर उड़ानों के शेड्यूल में तुरंत बदलाव करेगा। कस्टमर केयर टीमें 24 घंटे यात्रियों को जानकारी और सहायता प्रदान करेंगी।

जियोस्टार और आईसीसी की बनी रहेगी साझेदारी

मुंबई । इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और जियोस्टार ने स्पष्ट किया है कि भारत में आईसीसी के मीडिया राइट्स को लेकर दोनों के बीच 2024-2027 का समझौता पूरी तरह लागू है। जियोस्टार ने अपने मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट से कोई कदम पीछे नहीं खींचा है और वह आगामी फरवरी में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का प्रसारण करेगा। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जियोस्टार आईसीसी मीडिया राइट्स से हट रहा है। आईसीसी और जियोस्टार ने संयुक्त बयान में कहा कि यह खबरें पूरी तरह गलत हैं। दोनों संस्थाओं ने दोहराया कि जियोस्टार भारत में आईसीसी का आधिकारिक मीडिया पार्टनर बना रहेगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि आईसीसी 2026 से आगे के मीडिया राइट्स के लिए अन्य कंपनियों जैसे सोनी, प्राइम वीडियो और नेटफ्लिक्स से बातचीत कर रहा है। वहीं, जियोस्टार अपने वित्तीय घाटे को कम करने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जियोस्टार ने 2024-25 में खेल अनुबंधों के संभावित नुकसान का अनुमान लगभग 25,760 करोड़ रुपए बताया है।

एसबीआई ने घटाई लोन की ब्याज दर, ग्राहकों को राहत

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने ग्राहकों के लिए लोन की ब्याज दरों में कमी की घोषणा की है। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद उठाया गया है। नई ब्याज दरें 15 दिसंबर से प्रभावी होंगी। बैंकिंग और फाइनेंस की दुनिया में यह बदलाव ग्राहकों के लिए आर्थिक राहत साबित होगा। इससे गृह, वाहन और पर्सनल लोन पर ईएमआई कम होने की उम्मीद है।

केएफसी ने यूएई में हटाए रेस्टोरेंट के दरवाजे

- बोर्ड पर लिखा है- जब हम कभी बंद ही नहीं होते, तो दरवाज़े की क्या जरूरत?

नई दिल्ली ।

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन केएफसी ने यूएई में अपने कुछ रेस्टोरेंट्स के मुख्य दरवाजे हटा दिए हैं। अब जहां पहले लोग अंदर जाने के लिए दरवाज़ा खोलते थे, वहां एक बड़ा बोर्ड लगा है, जिस पर लिखा है- जब हम कभी बंद ही नहीं होते, तो दरवाज़े की क्या जरूरत? इसके साथ क्यूआर कोड भी दिए गए हैं, जिन्हें स्कैन करके ग्राहक सीधे आउटलेट तक पहुंच सकते हैं। कंपनी का कहना है कि यह कदम 24 घंटे खुले रहने की सूचना ग्राहकों तक सबसे असरदार तरीके से पहुंचाने के लिए उठाया गया है। केएफसी का पूरा नाम केनटुकी फ्रायड चिकन है, जिसकी स्थापना कर्नल हार्लैंड सैंडर्स ने की थी। मैकडॉनल्ड्स के बाद यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रेस्टोरेंट चेन है। सितंबर 2025 तक केएफसी के 31,980 से अधिक रेस्टोरेंट 150 देशों में फैले हैं। भारत में केएफसी 1995 में बैंगलोर में पहली बार खुला था और अब 1000 से अधिक आउटलेट हैं। इसके सिग्नेचर प्रोडक्ट्स में ओरिजिनल रेसिपी चिकन, हॉट एंड क्रिस्पी, जिंगर बर्गर और चिकन बकेट शामिल हैं। कर्नल हार्लैंड सैंडर्स का जन्म 9 सितंबर 1890 को इंडियाना में हुआ था। 5 साल की उम्र में पिता की मृत्यु हो गई और मां फैक्ट्री में काम करने लगीं। सैंडर्स ने 7 साल की उम्र से खाना बनाना सीखा। सेना, रेलवे, इंश्योरेंस, क्रेडिट कार्ड बिक्री, लैंप बनाने और नाव चलाने जैसे कई कामों में असफलताओं का सामना करने के बाद उन्होंने केएफसी की स्थापना की।

सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह भर दिखाया उतार-चढ़ाव

- विदेशी निवेशकों की निकासी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले की अनिश्चितता मुख्य कारक रहे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह निवेशकों के लिए मिलीजुली प्रवृत्ति दिखाई। सोमवार से बुधवार तक बाजार में गिरावट का रुख रहा, जबकि सप्ताह के अंत में शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी ने कुछ सुधार के संकेत दिए। विदेशी निवेशकों की निकासी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले की अनिश्चितता इस सप्ताह के मुख्य कारक रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 316 अंक गिरकर 85,395.85 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 106.70 अंक गिरकर 26,079.75 पर खुला। दिन के अंत तक सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 और निफ्टी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 पर बंद हुआ। इस गिरावट के पीछे सेवा और रियल्टी सेक्टर की कमजोरी, मुनाफावसूली और विदेशी फंडों की निरंतर निकासी मुख्य कारण बने। मंगलवार को बाजार ने गिरावट का सिलसिला जारी रखा। सेंसेक्स 84,464.97 पर खुला और दिन के अंत तक 436.41 अंक गिरकर 84,666.28 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 204.75 अंक की कमजोरी के साथ 25,755.80 पर खुला और 120.90 अंक गिरकर 25,839.65 पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत फैसले से पहले निवेशकों ने रक्षात्मक रुख अपनाया, जिससे बाजार में और दबाव बना। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन गिरकर लगभग एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए।

सेंसेक्स 275.01 अंक गिरकर 84,391.27 और निफ्टी 81.65 अंक गिरकर 25,758.00 पर बंद हुआ। इस दौरान दोनों सूचकांकों ने दिन के उच्च और न्यूनतम स्तरों में उतार-चढ़ाव देखा। हालांकि, सप्ताह के अंत में शुक्रवार को बाजार ने सुधार दिखाया। सेंसेक्स 449.53 अंक बढ़कर 85,267.66 और निफ्टी 148.40 अंक बढ़कर 26,046.95 पर बंद हुआ। निवेशकों की बढ़ी हुई सकारात्मकता और रियल्टी एवं अन्य सेक्टरों में कुछ सुधार ने बाजार को हरे निशान में ला दिया। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव का मिश्रित रुख दिखाया। शुरुआती दिनों में गिरावट के बावजूद सप्ताह के अंत में बाजार ने सुधार के संकेत दिए। विदेशी निवेशकों की गतिविधि, अमेरिकी नीतिगत फैसले और प्रमुख सेक्टरों के प्रदर्शन पर आने वाले हफ्तों में भी बाजार की दिशा निर्भर करेगी।

एमसीएक्स पर दो लाख का स्तर छूकर औंधे मुंह गिरी चांदी

चांदी 8,800 रुपए हुई सस्ती, सोना भी पीक से फिसला

नई दिल्ली ।

चांदी की कीमतों में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुक्रवार को चांदी ने 2,01,615 रुपए प्रति किलो के लाइफटाइम हाई को छूते हुए नया रिकॉर्ड बनाया। विशेषज्ञों का कहना है कि 2 लाख रुपए का मनोवैज्ञानिक स्तर पार होते ही निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग शुरू कर दी, जिससे कीमतों में तेज़ी से गिरावट आई। मुनाफावसूली के चलते चांदी की कीमतें चार घंटे के भीतर 8,764 रुपए प्रति किलो नीचे आ गईं और बाजार बंद होने तक 1,92,851 रुपए पर बंद हुईं। कारोबारी सत्र के दौरान कीमतें अपने पीक से 11,538 रुपए तक गिरकर 1,90,077 रुपए प्रति किलो भी पहुंच गई थीं। गुरुवार को चांदी 1,98,942 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई थी, यानी केवल एक दिन में लगभग 6,091 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। सोने में भी मुनाफावसूली देखी गई, लेकिन गिरावट चांदी जितनी तेज़ नहीं रही। एमसीएक्स पर सोना शुक्रवार को 1,35,263 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर पहुंचा। बाद में दबाव में आकर बाजार बंद होने पर सोने के दाम 1,33,622 रुपए पर रह गए। सत्र के दौरान सोने का निचला स्तर 1,32,275 रुपए तक गया। गुरुवार की तुलना में सोना शुक्रवार को 1,153 रुपए की बढ़त के साथ बंद हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार उच्च स्तर पर निवेशकों की प्रॉफिट बुकिंग सामान्य प्रक्रिया है। चांदी और सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सावधानी और रणनीति की जरूरत को दर्शाता है।

सेबी के अधिकारी निजी संपत्ति के सार्वजनिक खुलासे की गोपनीयता को लेकर चिंतितः चेयरमैन

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी निजी संपत्ति सार्वजनिक करने को लेकर गोपनीयता संबंधी चिंताएं जताई हैं। समिति ने अधिकारियों की संपत्ति और देनदारियों का सार्वजनिक खुलासा अनिवार्य करने की सिफारिश की है। पांडेय ने बताया कि अधिकारी इस जानकारी को आंतरिक स्वतंत्र इकाई को देने में सहज हैं, लेकिन सार्वजनिक करने पर आपत्ति रखते हैं। समिति की अधिकांश सिफारिशों से सेबी नेतृत्व सहमत है और जल्द निर्णय लिया जाएगा। यह समिति पांडेय के कार्यभार संभालने के बाद लिए गए पहले बड़े फैसलों में से एक थी। उनकी पूर्ववर्ती माधबी पुरी बुच पर हितों के टकराव और विवरणों के खुलासे में कमी के आरोप लगे थे। पांडेय ने कहा कि सेबी म्यूचुअल फंड, एआईएफ, पीएमएस सहित सभी कोष प्रबंधकों के लिए एकसमान नियम लाने पर विचार कर रहा है। इससे अनुपालन प्रक्रिया सरल और लागत कम होगी।

सुरभि चंदना को मिला वूमेनप्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सुरभि चंदना ने एक से बढ़कर एक धारावाहिकों में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री को हाल ही में वूमेन प्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी बात की जानकारी सुरभि ने पोस्ट के जरिए दी। सुरभि चंदना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि यह सम्मान उनके लिए एक शांत सा पल है, जबकि उनका पूरा करियर शांत नहीं रहा है। उन्होंने लिखा, एक्टिंग के अलावा मैंने अपना म्यूजिक लेबल फील गुड ऑरिजिनल शुरू किया और अब द सेम ब्रैंड के साथ नई कहानियां बनाने की कोशिश कर रही हूं। इन नए रास्तों ने मुझे अंदर से बदल दिया है। अभिनेत्री ने बताया कि इस सफर में चलना बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने लिखा, इस सफर को तय करने पर कई बार मुझे खुद पर शक हुआ, कई बार फिर से शुरुआत करनी पड़ी और कई बार ऐसा लगा कि अब कुछ नहीं बचेगा, लेकिन फिर भी मैंने हार नहीं मानी और चलती रही, अपना रास्ता बनाती गई। अभिनेत्री ने बताया कि जीवन में आई हर मुश्किल, नाकामी ने उन्हें बदला और हर छोटी जीत ने याद दिलाया कि यह सफर क्यों शुरू किया था?
उन्होंने आखिर में लिखा, मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं, और उन कदमों के लिए, जो मुझे जमीन से जुड़ा महसूस कराती हैं। मैं जीवन में आने वाली कहानियों के लिए उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने कुबूल है, इश्कबाज, और नागिन-5 जैसे धारावाहिकों में काम किया है, लेकिन अब उन्होंने टीवी की दुनिया से थोड़ी दूरी बनाते हुए प्रोडक्शन में कदम रखा है। उन्होंने प्रोडक्शन हाउस फील गुड ऑरिजनल्स के बैनर तले सॉन्ग फर्जी रिलीज किया था। गाने में टीवी की जानी-पहचानी एक्ट्रेस शाइनी दोशी और अभिनेता विशाल आदित्य सिंह नजर आए थे।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के शुरुआती दौर को किया याद

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में अपने शुरुआती करियर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब वो नई-नई अभिनेत्री थीं, तो वो बहुत महत्वाकांक्षी थीं और कोई भी काम मिलता था तो हां कह देती थीं।

बहुत लालची थी

एक खबर के अनुसार, प्रियंका ने अबू धाबी के ब्रिज समिट के दौरान कहा, मैं अपने करियर के शुरुआती दौर में बिल्कुल चुनिंदा नहीं थी। जो काम मिलता, कर लेती थी क्योंकि काम मिलना अपने आप में बड़ी बात होती है। मैं अपने 20 के दशक में बहुत लालची थी। हर दिन काम करना चाहती थी।

सफलता के लिए किए कई त्याग

प्रियंका ने बताया कि सफलता के लिए उन्होंने बहुत त्याग किए। प्रियंका ने कहा, मैंने जन्मदिन नहीं मनाए, दिवाली-क्रिसमस नहीं मनाए, और परिवार के साथ समय नहीं बिताया। जब मेरे पापा अस्पताल में थे, तब भी मैं उनके पास नहीं रह सकी। उस उम्र में मुझे इतनी मेहनत करनी पड़ी ताकि आज मैं वह जिंदगी जी सकूं, जो मैं आज जी रही हूं।
प्रियंका को आज इस बात की खुशी है कि उन्हें अपनी की हुई मेहनत का फल मिला है। उन्होंने कहा, आज मेरे पास ये लग्जरी है कि मैं फिल्मों को चुन सकती हूं कि कब हां (फिल्म) कहना है और कब ना। अगर मैंने तब इतनी मेहनत न की होती तो आज ये आजादी न मिलती। इसलिए मैं खुद को बहुत-बहुत थैंक यू कहती हूं।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

फिलहाल, प्रियंका इन दिनों निर्देशक राजामौली की फिल्म वाराणसी को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू नजर आएंगे। हाल ही में उनकी हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट रिलीज हुई थी। 2026 में उनकी हॉलीवुड फिल्म द ब्लफ रिलीज होगी।

रणवीर शौरी ने फिल्म धुरंधर को लेकर पेश की अपनी राय

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर इन दिनों खूब चर्चा में है। यह फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी इसे बहुत पसंद किया है। इसी बीच रणवीर शौरी ने धुरंधर को लेकर अपनी राय पेश की है। अभिनेता रणवीर शौरी ने फिल्म देखी और एक्स पर अपनी राय दी। उन्होंने लिखा, सोमवार की रात फुल हाउस के साथ धुरंधर देखी, बहुत मजा आया। यह एक शानदार जासूसी थ्रिलर है। इसमें सिर्फ पाकिस्तान में मौजूद आतंकी सिस्टम के खिलाफ गुस्सा है, बाकी किसी चीज से नफरत नहीं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि लोग किस बात की शिकायत कर रहे हैं। आदित्य धर और पूरी टीम ने कमाल का काम किया है, इनकी तारीफ होनी चाहिए।

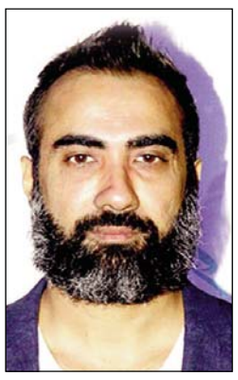

रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में कार्तिक आर्यन का बड़ा खुलासा

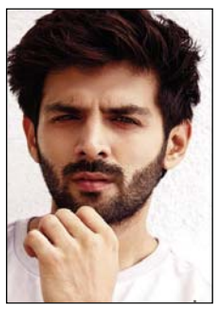

सऊदी अरब में आयोजित रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में कार्तिक आर्यन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उन्होंने दुनिया भर के दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ बातचीत की। उनकी मौजूदगी ने ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म पर भारतीय सिनेमा की बढ़ती पहचान को और मज़बूत किया। सेशन के दौरान कार्तिक ने खुलासा किया कि शुरुआत में उन्होंने भूल भुलैया 2 को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, जब यह फ़िल्म पहली बार मेरे पास आई, तब कोई कहानी नहीं थी, सिर्फ़ एक सीक्वल का आइडिया था। मैं उत्साहित नहीं था। लेकिन भूषण कुमार सर ने मुझे समझाया, फिर हम सबने मिलकर उस पर काम किया और सब कुछ बदल गया। आज मैं जहाँ भी जाता हूँ, बच्चे मुझे 'रूह बाबा' कहकर बुलाते हैं। मुझे ख़ुशी है कि मैंने यह फ़िल्म की। भूल भुलैया 2 और उसके बाद भूल भुलैया 3 कार्तिक के करियर में मील के पत्थर साबित हुईं। रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में किए गए इस खुलासे ने न सिर्फ़ उनके भूल भुलैया से जुड़े सफ़र की झलक दिखाई, बल्कि उनके वैश्विक प्रभाव को भी रेखांकित किया, जो उन्हें बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बनाता है।

सौम्या टंडन ने अक्षय खन्ना के साथ धुरंधर के पसंदीदा सीन को लेकर कही यह बात

सौम्या टंडन इन दिनों फिल्म धुरंधर की जबरदस्त सफलता का मजा ले रही हैं। यह फिल्म 2025 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन चुकी है। रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल जैसे सितारों से भरी इस फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया है, जो उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक बनाने के लिए मशहूर हैं। हाल ही में फिल्म की एक्ट्रेस सौम्या टंडन ने फिल्म में अपने सबसे पसंदीदा सीन के बारे में बात की।

फिल्म में सौम्या का किरदार

फिल्म में सौम्या टंडन ने अक्षय खन्ना (रहमान डकैत) की पत्नी उल्फत का किरदार निभाया है। उनका एक खास सीन बहुत चर्चा में है। जिसमें वह अपने पति के लिए सिगार जलाती हैं, ठीक उस वक्त जब रहमान अपने बेटे की हत्या का बदला लेने निकलने वाला होता है। इस सीन में सौम्या का गुस्सा, मां का दर्द और पति का साथ निभाने का जज्बा एक साथ दिखता है, इसलिए दर्शकों को यह सीन बहुत पसंद आ रहा है।

फिल्म में सौम्या का पहला सीन

सौम्या ने बताया कि धुरंधर में उनका यह सीन उनकी फिल्म का सबसे पहला शूट किया गया सीन था। अमृतसर में अक्षय खन्ना से उनकी पहली मुलाकात भी इसी सीन के दौरान हुई थी। एक फैन ने इस सीन को सबसे दमदार पल बताया था।

धुरंधर की कहानी

धुरंधर का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म एक रहस्यमयी लड़के हमजा अली मजारी (रणवीर सिंह) की है, जो रहमान डकैत के गैंग में शामिल होता है, लेकिन असल में वह भारत का जासूस है। वह पाकिस्तान में बड़े लोगों तक पहुंच बनाकर खुफिया जानकारी भारत भेजता है। कुल मिलाकर धुरंधर को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म में अक्षय खन्ना के अलावा सौम्या टंडन का किरदार भी खूब सराहा जा रहा है।

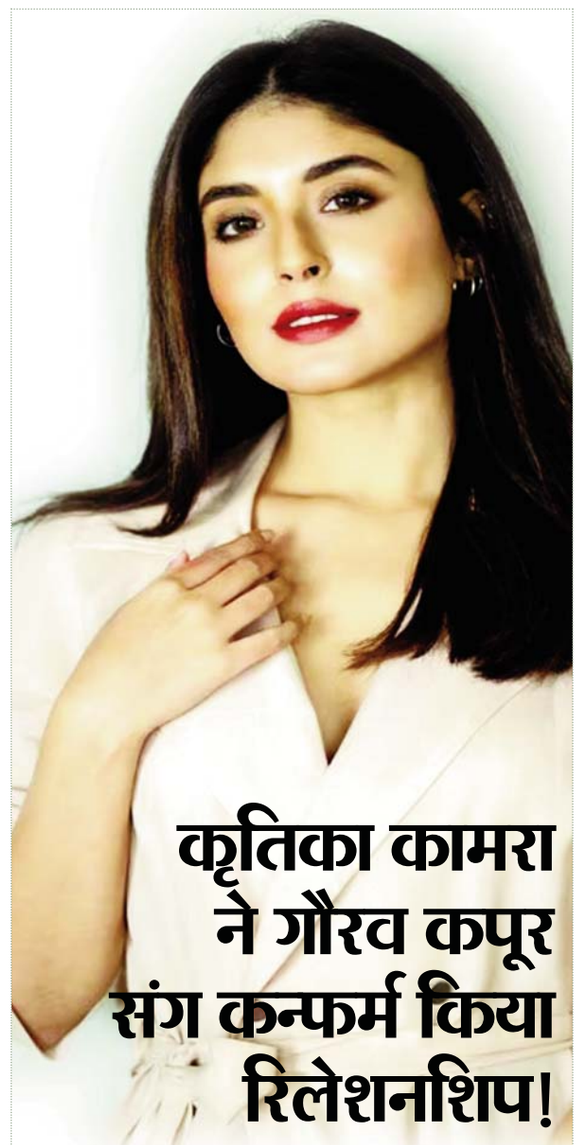

कृतिका कामरा ने गौरव कपूर संग कन्फर्म किया रिलेशनशिप!

एक्ट्रेस कृतिका कामरा पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही थीं। उन्होंने एक तस्वीर शेयर कर यह तो हिंट दिया था कि वह रिलेशनशिप में हैं, पर यह नहीं बताया था कि किसे डेट कर रहे हैं। लगता है अब कृतिका ने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है। वह गौरव कपूर को डेट कर रही हैं, जो टीवी प्रेजेंटर हैं। कृतिका ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें गौरव कपूर भी हैं। इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं, और एक्ट्रेस को बधाई दे रहे हैं।

कौन हैं गौरव कपूर?

गौरव कपूर दिल्ली के रहने वाले हैं। उन्होंने माउंट सेंट मैरी स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की और वेंकटेश्वर कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। वह एक क्रिकेट और टीवी प्रेजेंटर ही नहीं, बल्कि टीवी एक्टर भी हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग के मैच से पहले के शो, टी20 मैचों की कवरेज, और अपने पॉपुलर यूट्यूब शो ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस के लिए जाने जाते हैं। गौरव कपूर ने अपने करियर की शुरुआत एफएम रेडियो से की और बाद में चैनल वी पर वीजे बन गए।

गौरव कपूर ने डरना मना है से किया था एक्टिंग डेब्यू

गौरव कपूर ने टीवी पर काम करने के अलावा कुछ फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने साल 2003 में फिल्म डरना मना है से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद वह श्श्श, शोले के रीमेक राम गोपाल वर्मा की आग, अगली और पगली, ए वेन्सडे, क्रिक गन मुरुगन, चला मुसद्दी ऑफिस ऑफिस और काय पो छे! जैसी फिल्मों में नजर आए।

गौरव कपूर की पहले हो चुकी है शादी?

गौरव की निजी जिंदगी की बात करें, तो पहले उनकी शादी एक्ट्रेस और मॉडल किरत भट्टल से हुई थी। दोनों ने 2016 में शादी की थी। हालांकि, रिपोर्ट्स हैं कि शायद वो दोनों अलग हो चुके हैं, और इसीलिए गौरव अब कृतिका के साथ रिलेशनशिप में हैं। कृतिका और गौरव के रिश्ते की अफवाहें सोशल मीडिया पर महीनों से चल रही हैं। दोनों को कई बार मुंबई में साथ देखा गया है। कुछ पपाराजी पेज के मुताबिक, कृतिका और गौरव को बांद्रा के मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाते और दोस्तों के साथ समय बिताते देखा गया है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी उन अफवाहों पर रिएक्ट नहीं किया था। लेकिन अब कृतिका के लेटेस्ट पोस्ट से लग रहा है कि उन्होंने गौरव कपूर संग अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है।

म्यूजिक कंपनी के तले 100 गाने रिलीज करने की तैयारी में हैं विपुल

फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह इन दिनों अपने प्रोडक्शन हाउस के नए विस्तार को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने हाल ही में सनशाइन म्यूजिक और सनशाइन पिक्चर्स डिजिटल नाम के दो नए वर्टिकल लॉन्च किए हैं। विपुल बताते हैं कि म्यूजिक और डिजिटल कंटेंट का विस्तार काफी समय से उनके दिमाग में था लेकिन इसे शुरू करने के लिए सही टीम और उचित वक्त का इंतजार किया जा रहा था। अब म्यूजिक इंडस्ट्री के अनुभवी नाम सुरेश थॉमस टीम भी साथ जुड़ गए हैं, जिससे उनकी प्लानिंग को पंख मिल गए हैं।

दर्शकों के दिलों तक सीधे पहुंचने का जरिया है यू-ट्यूब

यू-ट्यूब को कंटेंट रिलीज के एक बड़े प्लेटफॉर्म के रूप में देखते हुए विपुल कहते हैं... ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट अपलोड करने में सख्त शर्तें होने की बातें सुनता जरूर हूं लेकिन मेरी व्यक्तिगत फिल्मों के साथ ऐसा कोई अनुभव नहीं रहा। फिर भी मैं मानता हूं कि यू-ट्यूब लगातार बढ़ता हुआ माध्यम है और दर्शकों के दिलों तक सीधे पहुंचने का यह आज सबसे प्रभावी रास्ता बन चुका है।

इंडस्ट्री और ऑडियंस हमें हर साल जरूरी सीख देती है...

साल 2025 की सीख पर बात करते हुए विपुल कहते हैं कि... हर साल की तरह इस साल भी इंडस्ट्री ने एक ही बात दोहराई कि कंटेंट ही किंग है। कांतारा और सैयारा जैसी फिल्में इस साल खूब चलीं। अगर आप कंटेंट ही किंग है के फॉर्मूले को सच मानकर आगे बढ़ेंगे, तो बहुत अच्छी बात है। हालांकि, यह सीख फिल्म इंडस्ट्री और ऑडियंस हमें हर साल देती है लेकिन हम सीखते नहीं हैं और यही हमारी कमजोरी है।
विपुल बताते हैं कि मेरी म्यूजिक कंपनी पहले ही साल 100 गाने रिलीज करने की तैयारी कर चुकी है, जिनमें से 40-50 गाने फाइनल हो चुके हैं। यह सभी गाने ऑडियंस के लिए यूट्यूब पर पूरी तरह फ्री उपलब्ध होंगे। हमारा फोकस सब्सक्राइबर बेस बढ़ाने पर नहीं, बल्कि नए रो टैलेंट को मंच देने पर है। हर महीने करीब 6 से 10 गानों की रिलीज की प्लानिंग है।

मनोज बाजपेयी स्टारर द गवर्नर और जयदीप की हिसाब तैयार हैं...

विपुल ने अपनी दो आगामी फिल्मों के बारे में भी अपडेट दिया कि द गवर्नर और हिसाब तैयार हैं। द गवर्नर में मुख्य भूमिका में मनोज बाजपेयी हैं, अदा शर्मा एक अहम किरदार निभा रही हैं। यह पूर्व गवर्नर की बायोपिक नहीं है, बल्कि उनकी जिंदगी के सबसे बड़े चैलेंज का एक बहुत ही ड्रामेटिक एपिसोड है। इस फिल्म का निर्देशन मराठी इंडस्ट्री के प्रसिद्ध नाम चिन्मय मांडलेकर ने किया है, जो पहली बार हिंदी फिल्म बना रहे हैं। दूसरी फिल्म हिसाब एक अनोखी बैंक रॉबरी प्लॉट पर आधारित है। इसमें जयदीप अहलावत, शेफाली शाह और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार नजर आएंगे। इसका प्लॉट पूरी तरह फिक्शनल है और आंखें जैसी फिल्मों से बिल्कुल अलग है। यह कहानी सिर्फ एक रॉबरी थ्रिलर नहीं, बल्कि इसमें मजबूत इमोशनल लाइन भी है।

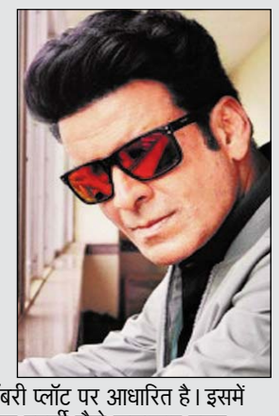

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्रा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in